सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष–01 अंक–213 • संपादक आलोक तिवारी • दुर्ग, शनिवार 22 अगस्त 2026 • पृष्ठ 08 • मूल्य –2 रुपए

सु-विचार

" मुस्कुराते रहे ये जिंदगी के झमेले कभी खत्म होने वाले नहीं है...!!

अज्ञात...

IGKV प्रश्नपत्र लीक कांड: एंडोस्कोपिक कैमरे से लिफाफे में रखा पेपर स्कैन, 6 गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

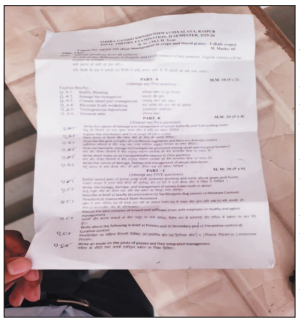

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (IGKV) के प्रश्नपत्र लीक मामले में रायपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मास्टरमाइंड प्रोफेसर समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया है।

रायपुर क्राइम डीसीपी स्मृतिक राजनाला ने मामले का खुलासा किया। गिरफ्तार आरोपियों में दुर्ग के भारती कॉलेज का प्रोफेसर योगेश सोनकेसरिया शामिल है, जिसने एंडोस्कोपिक कैमरे से बंद लिफाफे के अंदर रखा प्रश्नपत्र स्कैन कर लिया था। उसके साथ 5 छात्रों को भी गिरफ्तार किया गया है, जिन्होंने 12–12 हजार रुपये में पेपर खरीदा था।

यह मामला बीएससी एग्रीकल्चर द्वितीय वर्ष के 'Pest Management in Crop and Stored Grains-I' विषय से जुड़ा है। परीक्षा शुरू होने से 2 घंटे पहले ही प्रश्नपत्र WhatsApp और सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। परीक्षा कक्ष में बांटा गया पेपर हूबहू वायरल पेपर से मिलता पाया गया, जिसके बाद हड़कंप मच गया।

मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने 5 सदस्यीय जांच समिति गठित की है।

वहीं शुक्रवार को NSUI प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय के नेतृत्व में छात्रों ने IGKV का घेराव कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और निष्पक्ष जांच की मांग की। पुलिस अब लीक के पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है।

निवेश का झांसा देकर महिलाओं से लोन निकलवाकर रकम हड़पने वाली महिला गिरफ्तार

दुर्ग। स्व सहायता समूह में निवेश कर लाभ कमाने का झांसा देकर महिलाओं के नाम पर मुद्रा लोन एवं पर्सनल लोन निकलवाकर उसकी रकम हड़पने के मामले में जामुल पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपिया के कब्जे से लोन कार्ड, बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, मजदूर कार्ड एवं आधार कार्ड सहित महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं। मामले में करीब 15 लाख रुपये की धोखाधड़ी की शिकायत सामने आई है।

पुलिस के अनुसार, 20 अगस्त 2026 को ग्राम कुरूद निवासी श्रीमती त्रिवेणी साहू ने थाना जामुल में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि ग्राम कुरूद निवासी विद्या साहू (33 वर्ष), निवासी भाठापारा बाजार चौक, ग्राम कुरूद द्वारा महिलाओं को स्व सहायता समूह में निवेश करने पर लाभ मिलने का लालच दिया गया। इसके बाद महिलाओं के नाम से मुद्रा लोन एवं पर्सनल लोन निकलवाए गए और लोन की रकम आरोपिया द्वारा स्वयं प्राप्त कर उपयोग की गई। शिकायत के मुताबिक, आरोपिया ने संबंधित महिलाओं के एटीएम कार्ड, बैंक पासबुक तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज भी अपने पास रख लिए। इस प्रकार करीब 15 लाख रुपये की धोखाधड़ी किए जाने की बात सामने आई। शिकायत पर थाना जामुल में अपराध क्रमांक 592/2026, धारा 318(4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 20 अगस्त को आरोपिया की पतासाजी कर घेराबंदी की और उसे पकड़ लिया। पूछताछ में लोन की रकम स्वयं प्राप्त कर उपयोग करने की बात सामने आने पर पुलिस ने आरोपिया के कब्जे से संबंधित दस्तावेज एवं बैंकिंग कार्ड जब्त किए। पुलिस ने बताया कि आरोपिया का तरीका यह था कि वह महिलाओं को स्व सहायता समूह में निवेश करने पर लाभ का विश्वास दिलाती थी और उनके नाम से लोन स्वीकृत करवाकर उसकी रकम स्वयं प्राप्त कर लेती थी। साथ ही बैंक एवं पहचान संबंधी दस्तावेज अपने पास रखती थी। आरोपिया विद्या साहू को 21 अगस्त 2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। मामले की विवेचना जारी है तथा पुलिस द्वारा शिकायत में सामने आए वित्तीय लेनदेन एवं अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है।

मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा करेंगे दुर्ग के नवीन प्रधान जिला व सत्र न्यायालय भवन का भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिले में न्यायिक अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण एवं आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ने जा रहा है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा द्वारा 22 अगस्त 2026 को दुर्ग में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय के नवीन भवन का भूमिपूजन किया जाएगा। यह गरिमामय अवसर दुर्ग जिले की न्यायिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा। प्रस्तावित नवीन न्यायालय भवन को भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आधुनिक, सुव्यवस्थित एवं तकनीकी रूप से सक्षम न्यायिक परिसर के रूप में विकसित किया जाएगा।

नवीन न्यायालय भवन में न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, न्यायालयीन कर्मचारियों, पक्षकारों एवं आम नागरिकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाओं एवं उन्नत तकनीकी संसाधनों का समावेश किया जाएगा। परिसर में पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था, बेहतर कार्यस्थल, सुगम आवागमन तथा न्यायालयीन कार्यों के प्रभावी संचालन हेतु आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का विकास प्रस्तावित है। नवीन भवन के निर्माण से न्यायिक कार्यों के संचालन में अधिक दक्षता, सुगमता एवं पारदर्शिता आएगी तथा वादकारियों एवं आम नागरिकों को न्यायालयीन सेवाएं अधिक सुविधाजनक वातावरण में प्राप्त हो सकेंगी।

प्रस्तावित न्यायालय परिसर का विकास केवल वर्तमान आवश्यकताओं तक सीमित न रहकर दीर्घकालीन न्यायिक आवश्यकताओं एवं भविष्य की बढ़ती मांगों को दृष्टिगत रखते हुए किया जाएगा। इस प्रकार यह भवन आने वाले वर्षों में दुर्ग जिले की न्यायिक व्यवस्था के लिए एक सुदृढ़ एवं स्थायी आधारभूत संरचना के रूप में कार्य करेगा।

भूमिपूजन एवं शिलान्यास समारोह में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीशगण, न्यायिक अधिकारीगण, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारीगण, अधिवक्तागण तथा दुर्ग बार एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य अतिथिगण उपस्थित रहेंगे। मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में न्यायिक अधोसंरचना को आधुनिक, सुलभ एवं जनोन्मुख बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। दुर्ग का यह नवीन न्यायालय भवन उसी दूरदर्शी न्यायिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नवीन भवन के निर्माण का उद्देश्य ऐसा सुव्यवस्थित, आधुनिक एवं गरिमापूर्ण न्यायिक वातावरण उपलब्ध कराना है, जिसमें न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, न्यायालयीन कर्मचारियों तथा आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त हों और न्याय तक पहुंच अधिक सरल, सुगम एवं प्रभावी बन सके।

महादेव सट्टा ऐप का मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर ने जताया जान का खतरा

भारत लौटने से पहले मांगी सुरक्षा

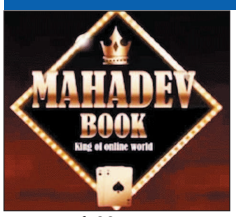

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले में बड़ा मोड़ आया है। ऐप के मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर ने भारत प्रत्यर्पित होने से पहले अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है।

जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक ओमान में हिरासत में लिए गए चंद्राकर ने वहां की पुलिस के सामने भारत की जेल में अपनी सुरक्षा को लेकर आशंका व्यक्त की है। उसने कहा है कि वह भारत लौटने के बाद जांच एजेंसियों और अदालत के सामने बयान दर्ज कराने को तैयार है।

बताया जा रहा है कि चंद्राकर सट्टा नेटवर्क से जुड़े राजनीतिक कनेक्शन, पैसों के लेन–देन और विदेशों में मौजूद संपत्तियों को लेकर अहम जानकारी देने की इच्छा जता रहा है। इसके बदले उसने खुद और परिवार के लिए विटनेस प्रोटेक्शन जैसी सुरक्षा की मांग की है। उसकी मांग है कि उसे नेटवर्क के अन्य लोगों से अलग और सुरक्षित रखा जाए ताकि वह बिना दबाव के सहयोग कर सके।

सौरभ चंद्राकर फिलहाल ओमान में हिरासत में है। इंटरपोल के रेड नोटिस के आधार पर उसे हिरासत में लिया गया था। भारत की एजेंसियां प्रत्यर्पण की प्रक्रिया आगे बढ़ा रही हैं, वहीं ओमान में भी उसके खिलाफ अलग कानूनी कार्रवाई चल रही है। जांच अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा की मांग का मतलब कानूनी छूट नहीं होगा। चंद्राकर के बयानों की स्वतंत्र रूप से जांच की जाएगी और पर्याप्त सबूत मिलने पर कार्रवाई जारी रहेगी।

महादेव सट्टा ऐप केस में CBI का बड़ा एक्शन, 6 आरोपियों पर चार्जशीट

महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 6 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। साथ ही मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल के खिलाफ कोर्ट में नए सबूत पेश किए हैं। चार्जशीट जिन आरोपियों पर दाखिल हुई है, उनमें असीम दास, रोहित गुलाटी, विकास छपारिया, अनिल धम्मानी, विशाल आहूजा और धीरज आहूजा शामिल हैं। इन पर धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक साजिश का आरोप है। सीबीआई अब तक इस मामले में 66 आरोपियों के खिलाफ 5 अलग–अलग चार्जशीट दाखिल कर चुकी है।

जांच के मुताबिक महादेव ऐप को भारत के बाहर से संचालित किया जा रहा था। भिलाई निवासी

सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल ने सोशल मीडिया के जरिए लाखों यूजर्स तक पहुंचाकर देशव्यापी नेटवर्क खड़ा किया। अवैध कमाई को म्यूल अकाउंट्स के जरिए विदेश में ट्रांसफर किया जाता था और इसका कुछ हिस्सा सरकारी कर्मचारियों को प्रोटेक्शन मनी के रूप में दिए जाने का आरोप है।

एजेंसी ने बताया कि विदेश भागे 4 मुख्य आरोपियों के खिलाफ इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया है और उन्हें भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इस बीच मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर को फर्जी इंडोनेशियाई पासपोर्ट से ओमान में प्रवेश के आरोप में रॉयल ओमान पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह फिलहाल मस्कट के हाई–सिक्योरिटी अल खौद डिटेंशन सेंटर में है। भारत सरकार उसके प्रत्यर्पण की तैयारी में है। ईडी ने अब तक 175 से अधिक ठिकानों पर सर्च कर 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और 4336 करोड़ रुपये की चल–अचल संपत्ति अटैच की है।

पुलिस आरक्षक की नौकरी के नाम पर 12 लाख की ठगी, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पुलिस में नौकरी लगाने के नाम पर 12 लाख रुपये की ठगी करने वाले दो आरोपियों को उतई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने वर्ष 2023 में युवक को आरक्षक पद पर भर्ती कराने का झांसा देकर रकम हड़प ली थी।

प्रार्थी गैंदलाल बंछोर निवासी ग्राम सेलूद, थाना उतई ने शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी उमेश दास मानिकपुरी निवासी ग्राम अतरिया, बेमेतरा ने उसके पुत्र विकास बंछोर को पुलिस आरक्षक की नौकरी दिलाने का विश्वास दिलाया और कुल 12 लाख रुपये ले लिए। नौकरी नहीं लगी और पैसे भी वापस नहीं किए।

शिकायत की जांच के बाद थाना उतई में अपराध क्रमांक 430/2026 धारा 318(4), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस ने पतासाजी कर आरोपी उमेश दास मानिकपुरी और उसके साथी राजेश वर्मा (57) निवासी पत्रकार कॉलोनी, बिलासपुर को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने ठगी की बात स्वीकार की। पुलिस ने उनके कब्जे से बैंक खाता और मोबाइल फोन जप्त किया है। दोनों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक मोहन भारद्वाज, उप निरीक्षक श्रीराम पेन्ड्रो, प्रधान आरक्षक मनीष थापा, अभिषेक पाण्डेय, आरक्षक ध्रुवनारायण चन्द्राकर, अजय देवांगन की सराहनीय भूमिका रही।

बैंक खाते का मोबाइल नंबर बदलकर 14.97 लाख की ठगी, दूसरा आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। थाना गंज पुलिस ने बैंक खाते में लिंक मोबाइल नंबर बदलकर 14.97 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी योगेश येड़े को रायपुर से पकड़ा गया, जिसके खाते में ठगी की रकम ट्रांसफर की गई थी। थाना गंज में अपराध क्रमांक 246/2026 धारा 316(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज है। प्रार्थी सुषमा कुमार के एक्सिस बैंक खाते से उनकी बिना जानकारी के 14,97,451 रुपये की राशि ट्रांसफर और विड्रॉल कर ली गई थी। कस्टमर एप्लिकेशन फॉर्म से मोबाइल नंबर बदलवा दिया, मोबाइल बैंकिंग की लिमिट बढ़ाई और एफडी क्लोज कर दी। इसके बाद पूरी राशि आरोपी योगेश येड़े के ह्यइंडियन सेल्सह्न नामक खाते में ट्रांसफर कर पंडरी स्थित एक्सिस बैंक शाखा से सेल्फ चेक के जरिए कैश निकाल लिया गया। इस प्रकरण में एक्सिस बैंक देवेंद्र नगर शाखा, फाफाडीह के तत्कालीन डिप्टी मैनेजर कुलदीप सिंह बिसेन को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अब बैंक रिकॉर्ड और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर योगेश येड़े पिता कृष्णा (27) निवासी ग्राम उमरी, जिला बालाघाट (म.प्र.), हाल निवासी एकता नगर, गुढ़ियारी, रायपुर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर केंद्रीय जेल रायपुर भेज दिया गया है। मामले में अन्य संलिप्त लोगों की भूमिका की विवेचना जारी है।

श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में सिविल सर्विसेज पर कार्यशाला आयोजित

सफलता के लिए सही रणनीति, नियमित अध्ययन और उत्तर लेखन का सतत-अभ्यास अत्यंत आवश्यक-डॉ. नीता पांडे

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्थानीय श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के कला संकाय एवं ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय "सिविल सर्विसेज कार्यशाला' का आयोजन विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ स्मिता सेलट के मार्गनिर्देशन में किया गया।' कार्यशाला में विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग तथा छत्तीसगढ लोक सेवा आयोग जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रभावी मार्गदर्शन विशेषज्ञों द्वारा दिया गया।

संयोजक डॉ नीता पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यशाला में मुख्य वक्ता तेजस आईएएस एकेडमी के डायरेक्टर विनय सिंह थे। उन्होन विधार्थियों को सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए आवश्यक फंडामेंटल रोड मैप, सिलेबस डिकोडिंग, प्रभावी उत्तर लेखन तकनीक तथा प्रारंभिक एवं मुख्यपरीक्षा की तैयारी के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि सिविल सेवा परीक्षा में सफलता के लिए सही रणनीति, नियमित अध्ययन तथा उत्तर लेखन का सतत–अभ्यास अत्यंत आवश्यक है।

श्री सिंह ने विद्यार्थियों को परीक्षा की बदलती प्रकृति तथा समय प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं से भी अवगत कराया। कार्यशाला में विद्यार्थियों ने अपने प्रश्न पूछ कर विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन डा. रश्मि अग्रहरी द्वारा किया गया। उन्होने अतिथि वक्ता का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओ में सफलता के निरंतर प्रयास एवं अनुशासित अध्ययन की प्रेरणा दी। कार्यशाला में बड़ी संख्या में विषार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने सहभागिता की। धन्यवाद ज्ञापन डा. हिमांशु गुप्ता ने किया। कार्यकम में डॉ एकता मिश्रा, डा. सरिता रावत ,डा. विमल कुमार, डॉ संजीव कुमार ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

यातायात पुलिस को मिले 35 स्टॉपर, संस्थाओं ने दिखाया सामाजिक दायित्व

दुर्ग। सड़क सुरक्षा और सुगम यातायात व्यवस्था को लेकर दुर्ग की दो सामाजिक संस्थाओं ने यातायात पुलिस को सहयोग प्रदान किया है। यातायात पुलिस दुर्ग को मेघ गंगा ग्रुप, दुर्ग द्वारा 20 नग और कोशी एयर क्लब एंड रिसोर्ट, करंजा भिलाई द्वारा 15 नग, कुल 35 स्टॉपर जनहित में प्रदान किए गए। पुलिस के अनुसार इन स्टॉपर का उपयोग मार्ग डायवर्शन, दुर्घटना स्थल, विशेष आयोजनों के दौरान यातायात व्यवस्था और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षित संचालन के लिए किया जाएगा। इससे यातायात प्रबंधन और अधिक सुरक्षित और प्रभावी होगा। यातायात पुलिस दुर्ग ने दोनों संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल सामाजिक उत्तरदायित्व और जनसेवा का उदाहरण है। पुलिस ने अन्य संस्थाओं, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और नागरिकों से भी सड़क सुरक्षा अभियान में सहयोग की अपील की है।

नागरिक सुविधाओं और विकास कार्यों में तेजी लाने आयुक्त सुरुचि सिंह ने ली समीक्षा बैठक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह ने शहर के विकास को गति देने तथा नागरिकों से जुड़ी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, ऑनलाइन शिकायत, दुकानों एवं भवनों का किराया, डॉग हाउस, निर्माण कार्य, लेफ्ट फ्री, हाइजेनिक फूड जोन, मतदान केन्द्र, गौशाला, ईंधन खपत, पम्प संधारण, पाइप लाइन, सिविल कार्य, वाहन संधारण, उद्यान सहित विभिन्न विकास एवं मरम्मत कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

आयुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निमार्णाधीन आवासों को 30 सितम्बर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गरीबों के लिए उपलब्ध निधि का उपयोग उनकी मूलभूत सुविधाओं में वृद्धि के लिए किया जाए। विकास शुल्क से होने वाले निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। शहर में पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, सड़क, नाली एवं सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अधिकारी नियमित रूप से कार्यों की निगरानी करें। आयुक्त ने निगम के ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज होने वाली नागरिक शिकायतों की समीक्षा करते हुए कहा कि शिकायतों का त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण किया जाए। नागरिकों को उनकी शिकायतों के निराकरण के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़े, इसके लिए संबंधित अधिकारी शिकायतों को प्राथमिकता से लेते हुए मौके पर जाकर कार्रवाई करें।

बैठक में निगम क्षेत्र की दुकानों एवं भवनों के किराया निर्धारण की भी समीक्षा की गई। आयुक्त ने निर्देशित किया कि दुकानों एवं भवनों का नियमानुसार किराया निर्धारित किया जाए, जिससे निगम की आय में वृद्धि हो सके। निगम की आय के स्रोतों को मजबूत करने के लिए राजस्व से जुड़े कार्यों में तेजी लाने पर भी जोर दिया गया। कुरूद में स्थापित डॉग हाउस की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने आवश्यक सुविधाओं को और बेहतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डॉग हाउस को एक सप्ताह के भीतर प्रारंभ किया जाए तथा वहां आवश्यक संसाधन, साफ-सफाई और संचालन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। नगरोत्थान योजना के तहत समग्र शिक्षा एवं स्वामी आत्मानंद स्कूलों में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में भी चर्चा की गई। आयुक्त ने कहा कि स्कूलों में ऐसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, जिससे बच्चों की पढ़ाई में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। आवश्यक सिविल एवं मूलभूत कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए गए।

शहर के प्रमुख चौराहों पर यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए किए जा रहे लेफ्ट फ्री कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए। आयुक्त ने कहा कि इससे वाहन चालकों को सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी और प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलेगी। बैठक में चंद्रा-मौर्या के सामने प्रस्तावित हाइजेनिक फूड जोन के निर्माण एवं आबंटन के संबंध में भी चर्चा की गई। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारी पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि फूड जोन को सुव्यवस्थित रूप से विकसित कर इसका लाभ लोगों को मिल सके। आयुक्त ने मूलभूत मद से होने वाले पम्प, पाइप लाइन, सिविल कार्य, वाहनों, उद्यानों के संधारण सहित अन्य मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने मतदान केन्द्रों में आवश्यक संधारण कार्य कराने तथा वहां नागरिकों के लिए जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा।

गौशाला के संचालन एवं रखरखाव की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। गौशाला में साफ-सफाई, रखरखाव एवं आवश्यक सुविधाओं की नियमित निगरानी की जाए। निगम के वाहनों में होने वाली ईंधन खपत की भी समीक्षा की गई।

आयुक्त ने वाहनों के उपयोग एवं संचालन की नियमित निगरानी करते हुए ईंधन की खपत कम करने के निर्देश दिए। साथ ही वाहनों के संधारण पर भी विशेष ध्यान देने को कहा, ताकि वाहन बेहतर स्थिति में रहें और अनावश्यक खर्च को नियंत्रित किया जा सके। बैठक में अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, उपायुक्त नरेंद्र बंजारे, डी के कोसरिया, अधीक्षण अभियंता वेशराम सिन्हा, जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कुलदीप गुप्ता, लेखाधिकारी, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, स्वास्थ्य अधिकारी, राजस्व अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। आयुक्त ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए विकास एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

खास खबर

जी एच रायसोनी स्मृति संभाग स्तरीय स्कूल शतरंज स्पर्धा का शुभारंभ कल से

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग संभाग के 160 से अधिक खिलाड़ियों में होगी शह-मात की जंग, 56 खिलाड़ी राज्य स्तर के लिए होंगे चयनित

छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के निर्देशन में जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा जी एच रायसोनी की स्मृति में एक दिवसीय संभाग स्तरीय स्कूल शतरंज स्पर्धा का आयोजन रविवार 23 अगस्त को किया जाएगा। स्पर्धा खालसा

पब्लिक स्कूल दुर्ग के सभागार में होगी। स्पर्धा का भव्य शुभारंभ प्रातः 10 बजे खालसा एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष त्रिलोक सिंह ढिल्लन के मुख्य आतिथ्य एवं समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा की अध्यक्षता में होगा। इस अवसर पर खालसा एजुकेशन सोसायटी के पदाधिकारी एवं सदस्यगण विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत एवं सचिव तुलसी सोनी ने बताया कि स्पर्धा में अंडर-7, 9, 11, 13, 15, 17 एवं अंडर-19 वर्ग के 160 से अधिक स्कूली खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जिनमें 30 रेटेड खिलाड़ी भी शामिल हैं। यह स्पर्धा जी एच रायसोनी कल्चर फाउंडेशन एवं कल्पना प्रकाश फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित की जा रही है।

पुरस्कार - स्पर्धा में कुल 50 हजार रुपये नगद पुरस्कार के साथ विजेताओं को ट्रॉफी और सभी प्रतिभागियों को मेडल एवं ई-सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। अंडर-19, 17, 15 एवं 13 बालक-बालिका वर्ग में प्रथम को 3 हजार रुपये व ट्रॉफी, द्वितीय को 2 हजार व ट्रॉफी, तृतीय को 1 हजार व ट्रॉफी तथा चतुर्थ को मोमेंटो दिया जाएगा। अंडर-11, 9 एवं 7 वर्ग में प्रथम, द्वितीय, तृतीय को ट्रॉफी व चतुर्थ को मोमेंटो मिलेगा। बेस्ट स्कूल को 2 हजार रुपये का नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

इस स्पर्धा के आधार पर सभी वर्गों के बालक एवं बालिकाओं में शीर्ष 4 स्थान प्राप्त करने वाले कुल 56 खिलाड़ी आगामी राज्य स्तरीय स्कूल शतरंज स्पर्धा के लिए चयनित होंगे। स्पर्धा के मुख्य निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर रॉकी देवांगन होंगे, जबकि सहायक निर्णायक के रूप में फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा, धीरज चावरे, विक्रम सिंह राजपूत और दिव्यांशु उपाध्याय रहेंगे।

संदीप कुमार को मिली पीएचडी की उपाधि

भिलाई। हेमचंद यादव यूनिवर्सिटी दुर्ग ने संदीप कुमार को राजनीति विज्ञान विषय में डॉक्टर ऑफ फिलासफी (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की है। इनके शोध का विषय दुर्ग के अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के विकास में अनुसूचित जाति के जनप्रतिनिधियों के योगदान का राजनीतिक अध्ययन था। उन्होंने अपना यह शोध कार्य डॉ डी एन सूर्यवंशी पूर्व प्राचार्य सेठ आरसीएस महाविद्यालय दुर्ग के कुशल निर्देशन में पूर्ण किया।

शोध प्रबंध में अहिवारा विधानसभा जनप्रतिनिधियों के द्वारा किये गए विकास का समग्र मूल्यांकन है साथ ही शोध में तथ्यों का क्रमागत समावेश किया गया है जो किसी एक विशेष विषय में उपलब्ध नहीं था। मौखिक साक्षात्कार में डॉ के बीएन मेश्राम विभागाध्यक्ष राजनीति एवं पूर्व प्राचार्य, डॉ अल्का मेश्राम प्राचार्य इंदिरा गांधी शासकीय महाविद्यालय वैशाली नगर भिलाई, डॉ नागरत्ना गणवीर शा. महा. रिसाली, डॉ अंजना ठाकुर प्राचार्य शा. महाविद्यालय अजुर्नी, डॉ प्रमोद कुमार यादव विभागाध्यक्ष सेट आर. सी. एस महा. दुर्ग, डॉ अरविन्द शुक्ला, डॉ आयशा अहमद, डॉ प्रदीप जाम्बुलकर प्राचार्य डोंगरगढ़, डॉ मणिमेखला शुक्ला कल्याण महा भिलाई, डॉ अमृतेश शुक्ला वैशाली नगर, विश्वविद्यालय प्रतिनिधि प्रभारी पी. एच. डी सेल दुर्ग के अलावा शोधार्थी खोरबाहरा पटेल, नितेश कुमार साहू, भानु प्रताप सिंह, मनोज साहू, टेकेश कुमार भट्ट कवर्धा उपस्थित थे। इस शैक्षणिक उपलब्धि के लिये हेमचंद यादव यूनिवर्सिटी दुर्ग के कुलपति, शोध निर्देशक, पीएचडी सेल प्रमुख एवं समस्त शुभचिंतकों ने हर्ष जताया है।

बीएसपी में संयुक्त आपातकालीन मॉक ड्रिल का हुआ सफल आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के ऊर्जा प्रबंधन विभाग के अंतर्गत एसएमएस-3 एलडी गैस होल्डर में 20 अगस्त 2026 को राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), अग्निशमन सेवाएँ तथा भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों की सहभागिता से एक संयुक्त आपातकालीन मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस अभ्यास का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में विभिन्न एजेंसियों की तैयारियों, त्वरित प्रतिक्रिया, बचाव कार्यों तथा आपसी समन्वय की प्रभावशीलता का आकलन करना था।

मॉक ड्रिल के तहत अत्यधिक वर्षा एवं बाढ़ जैसी परिस्थितियों के कारण एसएमएस-3 एलडी गैस होल्डर की विद्युत नियंत्रण प्रणाली में खराबी आने तथा गैस होल्डर के सुरक्षा इंटरलॉक के निष्क्रिय होने के कारण गैस रिसाव की घटना का परिदृश्य तैयार कर उससे निपटने की त्वरित कार्यवाही, प्राथमिक उपचार तथा विभिन्न आपातकालीन एजेंसियों के समन्वित प्रयासों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। निर्धारित परिदृश्य के अनुसार कार्य में लगे श्रमिकों में से 12 श्रमिक गैस के संपर्क में आने से प्रभावित होकर विभिन्न स्थानों पर अचेत हो गए।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सहायक महाप्रबंधक (ईएमडी) रवि कुमार सोनी ने तत्काल आपातकाल की घोषणा करते हुए प्रभावित क्षेत्र को खाली कराया तथा बचाव कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक (ईएमडी) अजय गजभाटे ने तत्काल मुख्य महाप्रबंधक (ईएमडी) पी.वी.वी.एस. मूर्ति एवं इंसिडेंट कंट्रोलर को सूचित किया। श्री मूर्ति शीघ्र ही घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव अभियान के समन्वय की जिम्मेदारी संभाली। इसके पश्चात एडीएम, दुर्ग एवं चीफ इंसिडेंट कंट्रोलर वीरेंद्र सिंह घटनास्थल पर पहुंचे और सभी सहभागी एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए समग्र आपातकालीन प्रतिक्रिया एवं बचाव अभियान की निगरानी की।

गैस रिसाव की सूचना मिलते ही ईएमडी के गैस सेफ्टी सेक्शन ने गैस रिसाव को नियंत्रित करने के लिए तत्काल आवश्यक कार्रवाई की। बचाव अभियान के उपरांत प्रभावित क्षेत्र में पोर्टेबल गैस डिटेक्टर एवं गैस एनालाइजर से गैस की स्थिति का परीक्षण किया गया। ऑक्सीजन एवं कार्बन मोनोऑक्साइड के स्तर निर्धारित अनुमेय सीमा में पाए जाने के बाद क्षेत्र को सुरक्षित घोषित किया गया और सामान्य परिचालन बहाल किया गया।

मॉक ड्रिल के दौरान भिलाई इस्पात संयंत्र, जिला प्रशासन एवं विभिन्न आपदा प्रबंधन एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके पर उपस्थित रहकर आपातकालीन प्रतिक्रिया एवं बचाव कार्यों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। इस अवसर पर पी. आर. भल्ला, मुख्य महाप्रबंधक (योजना एवं परियोजना नियंत्रण) एवं मुख्य महाप्रबंधक (सेवाएं) का अतिरिक्त प्रभार; विनोद कुमार बिष्ट, उप कमांडेंट, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल; प्रफुल्ल कुमार गुप्ता, एसडीएम दुर्ग शहर (नोडल अधिकारी) दुर्ग; डॉ. सी. बी. एस. बंजारे, जिला सर्विलांस ऑफिसर, दुर्ग; पी. वी. वी. एस. मूर्ति, मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-3) त्रिभुवन बैठा; मुख्य महाप्रबंधक (ऊर्जा प्रबंधन विभाग); सुश्री पुष्पा एम्ब्रोस, मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग); एस. के. अग्रवाल, महाप्रबंधक प्रभारी (सुरक्षा अभियांत्रिकी); संजय धवस, अतिरिक्त मुख्य अग्निशमन अधिकारी; एन. के. प्रधान, निरीक्षक, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल; एवं धनीराम यादव, दल प्रमुख, राज्य आपदा मोचन बल, सहित भिलाई इस्पात संयंत्र, जिला प्रशासन एवं विभिन्न सहभागी एजेंसियों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने मॉक ड्रिल के दौरान विभिन्न एजेंसियों द्वारा प्रदर्शित त्वरित प्रतिक्रिया, आपसी समन्वय एवं बचाव कार्यों की सराहना की। साथ ही, आपातकालीन तैयारियों को और अधिक सुदृढ़ करने, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाने तथा बचाव एवं राहत कार्यों की क्षमता को निरंतर बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए गए। मॉक ड्रिल के सफल समापन के पश्चात मानव संसाधन विकास विभाग में मॉक ड्रिल उपरांत समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

गीला-सूखा कचरा अलग नहीं करने और सिंगल यूज प्लास्टिक पर 6700 रुपए का वसूला जुमार्ना

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने लगातार कार्रवाई की जा रही है। निगम आयुक्त के निदेर्शानुसार 20 अगस्त 2026 को जोन क्रमांक-01 अंतर्गत वार्ड 07 राधिका नगर क्षेत्र में निगम की टीम द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों में गीले एवं सूखे कचरे को पृथक नहीं रखने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करते पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई।कार्रवाई के दौरान कुल 6700 रुपये का जुमार्ना वसूल किया गया।

कार्रवाई के तहत इंडियन कॉफी हाउस पर गीला-सूखा कचरा पृथक नहीं रखने पर 3000 रुपये, उटका बैठक शॉप पर खुले टायर में पानी जमा पाए जाने पर 1000 रुपये तथा सिंगल यूज प्लास्टिक पाए जाने पर 1000 रुपये, ला पिनो पिज्जा पर सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर 1000 रुपये तथा अमृत तुल्य चाय सेंटर पर सिंगल यूज प्लास्टिक पाए जाने पर 700 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। नगर निगम द्वारा प्रतिष्ठान संचालकों एवं नागरिकों से अपील की गई है कि गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखें, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें तथा अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने में निगम का सहयोग करें। निगम द्वारा स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी लगातार चालानी कार्रवाई जारी रखी जाएगी।

भिलाई निगम का बड़ा ऐलानः संपत्तिकर जमा करने पर मिलेगी 4% की छूट

नगर पालिक निगम भिलाई ने करदाताओं को राहत देते हुए संपत्तिकर में विशेष छूट की घोषणा की है। निगम के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 का संपत्तिकर यदि 30 सितंबर 2026 तक जमा किया जाता है तो करदाताओं को कुल राशि पर 4 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। निगम प्रशासन ने सभी संपत्तिकरदाताओं से अपील की है कि वे समय पर कर जमा कर इस योजना का लाभ उठाएं। कर का भुगतान निगम कार्यालय, वार्डों में घूम रहे टैक्स कलेक्टरों के पास या ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से किया जा सकता है।

सियान महोत्सव का फाइनल कल, चेस और कैरम में विजेताओं का हुआ सम्मान

स्मृति नगर विवेकानंद भवन में होगी डांस, सिंग, रंगोली और पेंटिंग प्रतियोगिता

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित सियान महोत्सव का फाइनल कार्यक्रम 21 अगस्त को स्मृति नगर स्थित विवेकानंद भवन में आयोजित किया जाएगा। फाइनल में डांसिंग, सिंग, वादन, रंगोली, पेंटिंग और म्यूजिकल चेयर जैसी प्रतियोगिताएं होंगी। आयोजन समिति के राजीव चौबे, ललित मोहन और रोहन सिंह ने बताया कि महोत्सव का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को मंच देना और उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करना है।

वेस प्रतियोगिता के परिणाम : चेस प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे: 70 वर्ष से ऊपर पुरुष वर्ग में प्रथम - सुभाष टुटेजा, द्वितीय - आशीष, तृतीय - प्रदीप गुप्ता रहे। 60 से 70 वर्ष पुरुष वर्ग : में प्रथम - के. गुप्ता, द्वितीय - मनमोहन, तृतीय - जितेंद्र रहे। 60 से 70 वर्ष महिला वर्ग : में प्रथम - सुधा वैष्णव, द्वितीय - एम. पद्मावती रहे।

कैरम प्रतियोगिता के परिणाम : 70 वर्ष से ऊपर पुरुष वर्ग : में प्रथम - प्रदीप कुमार सूद, द्वितीय - सुभाष तेंदुलकर, तृतीय - आर.के. जैन रहे। 70 वर्ष से ऊपर महिला वर्ग : में प्रथम - शिखा टुटेजा, द्वितीय - अंजलि भराड़वा, तृतीय - रजनी सूद रहे। 60 से 70 वर्ष पुरुष वर्ग : में प्रथम - मनमोहन गुप्ता, द्वितीय - डी.पी. निखार, तृतीय - जैन साहब रहे। 60 से 70 वर्ष महिला वर्ग : में प्रथम - स्वामी पांडोलकर, द्वितीय - सुधा वैष्णव, तृतीय - रेखा भागवत रहे। 50 से 60 वर्ष पुरुष वर्ग : में प्रथम - संतोष कल, द्वितीय - संजय कुमार सिंह, तृतीय - अंबेडकर रहे।50 से 60 वर्ष महिला वर्ग : में प्रथम - वैशाली अरमानकर, द्वितीय - मधुरा साहू, तृतीय - कल्पना सोनी रहे।

लूडो प्रतियोगिता : लूडो प्रतियोगिता में के. धार, के. गुसाईं और प्रदीप कुमार सूद विजेता रहे। महोत्सव के आयोजकों ने बताया कि फाइनल कार्यक्रम में सभी आयु वर्ग के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।

टीकाकरण से पहले छात्राओं को कर रहे जागरूक

शासकीय स्कूल में लगाई जा रही एचपीवी वैक्सीन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बेटियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचाने दुर्ग जिला प्रशासन की पहल पर माइक्रो प्लान के अनुसार जिला दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण स्कूलों में शुरू हो गया है। इस दौरान स्कूलों में 14 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी बालिकाओं को यह टीका लगाया जा रहा है। इस अभियान में ज्योति स्कूल चरोदा में 17, शासकीय उ मा स्कूल सिरसाकला में 11, कन्या उ मा शाला वैक्सीनेशन 07 और उ मा शाला देवबलोदा में 03 बालिकाओं सहित कुल 38 बालिकाओं को टीका लगाया गया। टीकाकरण के पहले छात्राओं को जागरूक किया जा रहा है। इन स्कूलों में मेडिकल ऑफिसर डॉ शिखर अग्रवाल ने बताया कि यह टीका पूरी तरह सुरक्षित है।

बीईटीओ सैय्यद असलम ने बताया कि यह टीका विवाह से पूर्व यानि संक्रमण से पहले लगवाना ज्यादा प्रभावी है। बालिकाओं को गार्डासिल नामक एच पी व्ही वैक्सीन लगाई जा रही है। शहरी खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ भुवनेश्वर कुमार कठौतिया ने कहा यह वैक्सीन 14 से 16 वैरिएंट के कैंसर के रोकथाम में अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में सीटी प्रोग्राम मैनेजर विवेक मिंज, एल एच व्ही आर विश्वास वैक्सीनेटर वर्षा पांडेय, संध्या वर्मा, उषा वर्मा, प्रभात यादव, देवेन्द्र राजपूत कुशवाहा, पारुल देशमुख, नेतराम साहू, शिक्षा विभाग से प्राचार्य अनूप कुमार वर्मा, जॉनी मैरी, एस एन कुशवाहा, नीता जैन, एमएमयू से मुकेश चंद्राकर एवं टीम तथा मितानिन एवं नोडल शिक्षक का सहयोग रहा।

बीएसपी में नई श्रम संहिताओं पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बीएसपी में भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की केंद्रीय टीम के प्रवास के दौरान 21 अगस्त को नई श्रम संहिताओं एवं कल्याणकारी प्रावधानों पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

तीन सदस्यीय केंद्रीय टीम का नेतृत्व श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के निदेशक डॉ. पीके जेना ने किया। टीम में अवर सचिव संजय कुमार तिवारी तथा श्रम कल्याण आयुक्त ओपी सिंह शामिल रहे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में दुर्ग सांसद विजय बघेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। महाप्रबंधक प्रभारी संजय द्विवेदी ने स्वागत उद्बोधन दिया, जबकि कार्यपालक निदेशक अरुण कुमार ने उपस्थितजनों को संबोधित किया। इस दौरान बीएसपी की सीएसआर पहलों और श्रमिक कल्याण सुविधाओं पर डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई और सहायक प्रबंधक के. शशांक राव ने प्रस्तुति दी।

डॉ. पीके जेना ने नई श्रम संहिताओं के विधायी ढांचे, प्रमुख प्रावधानों और श्रमिक कल्याण उपायों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। इसके बाद आयोजित प्रश्नोत्तरी सत्र में कर्मचारियों, यूनियन प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने सीधे संवाद कर अपने सवाल रखे। कार्यक्रम में उप मुख्य श्रम आयुक्त बीसी नायक, क्षेत्रीय श्रम आयुक्त अखिलेश राय, सहायक श्रम आयुक्त पीके दीक्षित, ईपीएफओ से गौरव डोगरा, ईएसआईसी से रत्नेश राजन्या, एनके धीरेन्द्र पटनायक और छत्तीसगढ़ शासन से मनीष कुंजाम सहित विभिन्न यूनियनों, एनएसपीसीएल, एसआरयू के कर्मचारी और अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक नवनीता चौहान ने किया, जबकि आभार महाप्रबंधक राजीव कुमार ने व्यक्त किया।

नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता के बाद बस्तर में विकास की नई गति : मुख्यमंत्री साय

नई औद्योगिक नीति से निवेश, रोजगार और औद्योगिक विकास को मिला नया विस्तार, नवा रायपुर बन रहा शिक्षा और नई तकनीक का उभरता केंद्र

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

लंबे समय तक नक्सलवाद के कारण विकास की दौड़ में पीछे रहे बस्तर में अब शांति, विश्वास और विकास का नया दौर शुरू हुआ है। सुरक्षा के साथ-साथ सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, रोजगार और आजीविका के क्षेत्र में तेजी से काम किया जा रहा है। बस्तर की प्राकृतिक संपदा, संस्कृति और पर्यटन की संभावनाओं को विकास से जोड़कर क्षेत्र के लोगों के जीवन में स्थायी बदलाव लाना हमारी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने विगत दिवस मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में पत्र सूचना कार्यालय, चेन्नई के निदेशक पी. अरुण कुमार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए चेन्नई के पत्रकारों के दल से चर्चा के दौरान यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पत्रकारों से छत्तीसगढ़ में विकास की बदलती तस्वीर, बस्तर में नक्सलवाद के विरुद्ध मिली सफलता के बाद तेज हुई विकास गतिविधियों, राज्य की नई औद्योगिक विकास नीति, निवेश एवं रोजगार की संभावनाओं तथा शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो रहे विस्तार पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लगभग चार दशकों तक नक्सलवाद ने बस्तर के विकास को गंभीर रूप से प्रभावित किया। दुर्गम क्षेत्रों में सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना बड़ी चुनौती थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता मिली है। सुरक्षा बलों के साहस और स्थानीय लोगों के बढ़ते विश्वास से बस्तर तेजी से शांति और विकास की ओर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में कभी नक्सलवाद के कारण शासन की पहुंच कठिन थी, वहां आज विकास की योजनाएं तेजी से पहुंच रही हैं। सुरक्षा कैंपों के आसपास के गांवों में नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और बुनियादी सुविधाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। सड़क और मोबाइल कनेक्टिविटी के विस्तार के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, बिजली, राशन, बैंकिंग और आजीविका की सुविधाओं में वृद्धि हुई है। सरकार का लक्ष्य केवल नक्सलवाद का अंत करना नहीं, बल्कि बस्तर में विकास और समृद्धि की ऐसी मजबूत नींव तैयार करना है, जिससे आने वाली पीढ़ियों का भविष्य बेहतर हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर में पर्यटन की भी अपार संभावनाएं हैं। यहां के प्राकृतिक सौंदर्य, जलप्रपातों, वन संपदा, जनजातीय संस्कृति, कला और परंपराओं की विशिष्ट पहचान है। शांति स्थापित होने के साथ पर्यटन और स्थानीय उद्यमिता के लिए नए अवसर बन रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि बस्तर की विशिष्टताओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले तथा पर्यटन से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अधिक अवसर सृजित हों।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पत्रकारों को राज्य में औद्योगिक विकास की संभावनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज, वन और कृषि संपदा से समृद्ध होने के साथ ऊर्जा के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर है। राज्य की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में रोजगार सृजन, स्थानीय संसाधनों के मूल्य संवर्धन और नए एवं उभरते क्षेत्रों के उद्योगों को विशेष प्राथमिकता दी गई है। सरल प्रक्रियाओं और उद्योग अनुकूल वातावरण के कारण देश-विदेश के निवेशकों का छत्तीसगढ़ के प्रति आकर्षण तेजी से बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि राज्य अब परंपरागत उद्योगों तक सीमित नहीं है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, फार्मास्युटिकल, टेक्सटाइल और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे भविष्य के क्षेत्रों में भी निवेश की संभावनाएं तेजी से विकसित हो रही हैं। पर्याप्त विद्युत उपलब्धता, मजबूत अधोसंरचना, देश के मध्य में भौगोलिक स्थिति और बेहतर कनेक्टिविटी छत्तीसगढ़ को निवेश के लिए अनुकूल बनाती है। सरकार का विशेष जोर ऐसे निवेश पर है, जिससे प्रदेश के युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर तैयार हों।

मुख्यमंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में राज्य की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि रायपुर और नवा रायपुर देश के महत्वपूर्ण एजुकेशन हब के रूप में विकसित हो रहे हैं। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के इन संस्थानों की उपलब्धता से छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बेहतर अवसर अपने ही राज्य में मिल रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के साथ स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार पर भी लगातार काम कर रही है। दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने, मेडिकल शिक्षा का विस्तार करने और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में अनेक कदम उठाए गए हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि विकास का लाभ प्रदेश के अंतिम छोर पर बसे व्यक्ति तक पहुंचे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने चेन्नई से आए पत्रकारों को छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कोसा फैब के शॉल भेंट कर सम्मानित किया। पत्रकारों के दल ने मुख्यमंत्री को तमिलनाडु के प्रसिद्ध महाबलीपुरम मंदिर की प्रतिकृति स्मृति-चिह्न के रूप में भेंट की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार आर. कृष्णा दास, जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल, मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी आलोक सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

खास खबर

क्षेत्रवासियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हमारी प्राथमिकता : मंत्री राजेश अग्रवाल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने लखनपुर स्थित अपने निज निवास पर क्षेत्र से पहुंचे सम्मानित नागरिकों एवं क्षेत्रवासियों से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याओं, आवश्यकताओं और स्थानीय विषयों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों एवं मांगों के त्वरित निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मंत्री श्री अग्रवाल ने क्षेत्रवासियों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं की जानकारी ली और प्रत्येक विषय को प्राथमिकता के साथ समझा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आम नागरिकों से जुड़े मामलों के निराकरण में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। पात्र लोगों को शासन की योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ समय पर मिले और स्थानीय स्तर पर सामने आने वाली समस्याओं का नियमानुसार शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों की समस्याओं का त्वरित समाधान हमारी प्राथमिकता है। जनप्रतिनिधि के रूप में जनता से सीधा संवाद उनकी जिम्मेदारी भी है और जनसेवा का महत्वपूर्ण माध्यम भी। क्षेत्र की जनता अपनी समस्याओं और आवश्यकताओं को लेकर सहजता से संपर्क कर सके तथा उनकी बात संबंधित स्तर तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार जनकल्याण और सुशासन के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना और नागरिकों की समस्याओं का संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ निराकरण करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्रवासियों से प्राप्त आवेदनों एवं समस्याओं पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उन्हें समयबद्ध रूप से निराकृत किया जाए।

अवैध खनिज परिवहन पर खनिज विभाग की सख्त कार्रवाई, चार ट्रैक्टर जब्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खनिज संपदा के संरक्षण और अवैध खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए राज्य शासन के निदेर्शानुसार खनिज विभाग द्वारा लगातार सघन जांच एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में विभागीय अमले ने रेत एवं मिट्टी (ईंट) के अवैध परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए चार ट्रैक्टर वाहनों को जब्त किया है। विभाग की इस कार्रवाई से अवैध खनिज परिवहन में संलिप्त लोगों में हड़कंप की स्थिति है। खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार विभागीय टीम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में खनिज परिवहन करने वाले वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान सिलपहरी क्षेत्र में रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर तीन ट्रैक्टर वाहनों को जब्त किया गया। इसी तरह ज्योतिपुर तिराहा में मिट्टी (ईंट) का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर एक ट्रैक्टर वाहन को जब्त किया गया। इस प्रकार कुल चार ट्रैक्टर वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। कार्रवाई के बाद जब्त किए गए चारों वाहनों को सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया है। इनमें से तीन ट्रैक्टर वाहनों को थाना अमरपुर तथा एक ट्रैक्टर वाहन को नगर सैनिक परिसर में सुरक्षित रखा गया है। विभाग द्वारा संबंधित प्रकरणों में आवश्यक दस्तावेजों एवं तथ्यों की जांच की जा रही है। अवैध खनिज परिवहन के इन प्रकरणों में संबंधित वाहन मालिकों के विरुद्ध खान एवं खनिज अधिनियम के प्रावधानों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। खनिज विभाग द्वारा जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर निगरानी रखते हुए नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।

विकसित भारत-जी राम जी व पीएम आवास योजना के कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत कार्य समय-सीमा में पूरा करें, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सरगुजा संभागायुक्त नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने शुक्रवार को संभागायुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में विकसित भारत-जी राम जी एवं प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण सहित ग्रामीण विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की संभागस्तरीय समीक्षा की। बैठक में योजनाओं की प्रगति, निर्धारित लक्ष्यों के विरुद्ध उपलब्धियां, लंबित प्रकरणों के निराकरण तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। छत्तीसगढ़ शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर सचिव एवं विकसित भारत-जी राम जी के अपर आयुक्त एस. आलोक ने जिलेवार आबंटित लक्ष्यों एवं प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने विभिन्न कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

संभागायुक्त दुग्गा ने कहा कि सरगुजा संभाग अनुसूचित जनजाति क्षेत्र है और यहां शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी जनपद पंचायतों के सीईओ को निर्देशित किया कि शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को जनपद स्तर एवं मैदानी अमले के कार्यों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में विकसित भारत-जी राम जी के अंतर्गत जुलाई एवं अगस्त माह में सृजित मानव दिवस तथा पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में मानव दिवस सृजन की स्थिति की समीक्षा की गई। संभागायुक्त ने जिन क्षेत्रों में मानव दिवस सृजन अपेक्षाकृत कम है, वहां विशेष प्रयास कर निर्धारित लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विद्यालयों में आवश्यकतानुसार शौचालय निर्माण, मुक्तिधामों में प्रतीक्षालय एवं शेड निर्माण तथा जल संरक्षण एवं जल संचयन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने कहा। वर्षा जल के संरक्षण, भूजल स्तर बढ़ाने और पानी की बबार्दी रोकने के लिए आवश्यक कार्य समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए।

ग्राम पंचायतों में स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने शेष कार्यों को शीघ्र स्वीकृत कर समय पर पूर्ण कराने कहा। बैठक में विभिन्न बोरवेल रिचार्ज कार्यों की स्वीकृति, महात्मा गांधी नरेगा के अपूर्ण कार्यों को पूर्ण कराने तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के हितग्राहियों को 90 मानव दिवस का रोजगार उपलब्ध कराने की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

अपर आयुक्त एस. आलोक ने विकसित भारत-जी राम जी के अंतर्गत अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने युक्तधारा में प्लान किए गए कार्यों की स्थिति की जानकारी लेते हुए कार्यों की नियमित निगरानी पर जोर दिया।

संभागायुक्त ने सिक्योर पोर्टल के माध्यम से कार्यों की स्वीकृति, प्रत्येक ग्राम पंचायत में स्वीकृत कार्यों की स्थिति, एसएनए-स्पर्श के माध्यम से भुगतान, इस वर्ष स्वीकृत एवं रोपित पौधों की संख्या तथा एनएमएमएस के माध्यम से श्रमिकों की उपस्थिति की समीक्षा की। लंबित ई-केवाईसी तथा शून्य प्रविष्टि वाले मस्टर रोल के मामलों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मैदानी स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने कहा। बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों की सराहना करते हुए उन्होंने अपेक्षाकृत कम प्रगति वाले जिलों को कार्यों में तेजी लाकर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण सहित अन्य आवास योजनाओं की समीक्षा

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, विशेष परियोजना एवं पीएम जनमन योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध स्वीकृत एवं पूर्ण आवासों की जिलेवार प्रगति की समीक्षा की गई। संभागायुक्त ने शेष आवासों की स्वीकृति सात दिवस के भीतर पूर्ण करने तथा अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए।

स्वीकृत आवासों के विरुद्ध प्रथम किस्त के लंबित प्रकरणों और भुगतान की स्थिति की जानकारी लेते हुए लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण करने कहा गया। आवास सॉफ्ट में अपात्र किए गए हितग्राहियों, जॉब कार्ड तथा विभिन्न योजनाओं के अभिसरण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। ए, बी एवं सी श्रेणी के प्रकरणों को आवास सॉफ्ट में चिन्हांकित कर उनके निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

पात्र हितग्राहियों को समय पर मिले प्रशिक्षण और योजनाओं का लाभ

संभागायुक्त श्री दुग्गा ने आर-सेटी एवं आरएमटी के अंतर्गत प्रशिक्षण की स्थिति, प्रगति एवं लंबित प्रकरणों की जानकारी ली। उन्होंने पात्र हितग्राहियों को समय पर प्रशिक्षण एवं योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास से जुड़ी सभी योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। इसलिए योजनाओं के क्रियान्वयन में गति, गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ मैदानी स्तर पर नियमित निगरानी जरूरी है। उन्होंने सभी जिला एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को विकसित भारत-जी राम जी एवं आवास योजनाओं के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए टीम भावना के साथ समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में उपायुक्त आरके खूंटे, सरगुजा जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री रोमा श्रीवास्तव, जशपुर सीईओ अभिषेक कुमार, बलरामपुर सीईओ आशुतोष चतुर्वेदी, एमसीबी सीईओ श्रीमती अंकिता सोम, कोरिया सीईओ योगेंद्र श्रीवास सहित सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उपस्थित रहे।

खनन प्रभावित वन भूमि के पुनरुद्धार में वैज्ञानिक वानिकी को सर्वोच्च प्राथमिकता : केदार कश्यप

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

खनिज संसाधनों के उपयोग के बाद वन भूमि को उसकी प्राकृतिक पहचान लौटाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। खनन समाप्त होने के बाद केवल पौधे लगा देना ही वन भूमि का पुनरुद्धार नहीं है, बल्कि उसे वैज्ञानिक तरीके से पुनर्स्थापित कर पुनः एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकसित करना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन के वन व जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने आज अपने कोरबा प्रवास के दौरान एनटीपीसी के प्रशासनिक भवन में सार्वजनिक एवं निजी उपक्रमों के प्रतिनिधियों तथा वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली।

बैठक में वन संरक्षण एवं संवर्धन अधिनियम के प्रावधानों और स्वीकृत शर्तों के अनुरूप खनन एवं परियोजनाओं से प्रभावित वन भूमि के पुनरुद्धार के सम्बंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए। इस अवसर पर विधायक कटघोरा प्रेमचंद पटेल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख अरुण कुमार पांडे, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (लैंड मैनेजमेंट) सुनील मिश्रा, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, हिंडालको, एसईसीएल, एनटीपीसी, बालको, अडानी सहित प्रमुख सार्वजनिक व निजी औद्योगिक एवं खनन उपक्रमों के वरिष्ठ अधिकारी तथा वन विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का दोहन और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चलना चाहिए। विकास के लिए संसाधनों का उपयोग आवश्यक है, लेकिन इसके साथ प्रकृति को हुई क्षति की भरपाई और वन भूमि को पुनः स्वस्थ स्वरूप प्रदान करना भी उतनी ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रधान मुख्य वन संरक्षक द्वारा जारी तकनीकी एवं व्यावहारिक दिशा-निर्देशों को सभी संबंधित कंपनियों एवं अधिकारियों को इनका शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

श्री कश्यप ने कहा कि वन भूमि केवल जमीन का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि जैव विविधता, वन्यजीवों, जल स्रोतों और स्थानीय समुदायों के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है। इसलिए खनन एवं औद्योगिक गतिविधियों के बाद इसके पुनरुद्धार में दीर्घकालिक पर्यावरणीय दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। वन मंत्री ने सभी औद्योगिक एवं खनन कंपनियों को अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी मद का प्रभावी और संवेदनशील उपयोग करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खनन प्रभावित क्षेत्रों के आसपास रहने वाले ग्रामीणों एवं स्थानीय समुदायों के आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक उन्नयन के लिए सीएसआर गतिविधियों को प्राथमिकता दी जाए। स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में ठोस और सकारात्मक बदलाव लाने वाले कार्यों को प्रोत्साहित किया जाए, ताकि विकास का लाभ प्रभावित क्षेत्रों के समुदायों तक भी प्रभावी रूप से पहुंचे।

बैठक में स्पष्ट किया गया कि वन भूमि के उपयोग के बाद उसका पुनरुद्धार किसी औपचारिक प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहना चाहिए। रेस्टोरेशन एवं रिक्लेमेशन के प्रत्येक कार्य में वैज्ञानिक वानिकी सिद्धांतों, स्थानीय पारिस्थितिकी और स्थल की प्राकृतिक विशेषताओं को केंद्र में रखा जाए। संबंधित कंपनियों को निर्देशित किया गया कि खनन प्रभावित क्षेत्रों में केवल तेजी से बढ़ने वाली प्रजातियों का एकरूप पौधरोपण करने के बजाय स्थानीय एवं देशज प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाए। प्रजातियों का चयन क्षेत्र की जलवायु, मृदा, स्थल-गुण, जल उपलब्धता और स्थानीय वन संरचना के अनुरूप किया जाए, जिससे लगाए गए पौधे दीर्घकाल में स्थायी वन के रूप में विकसित हो सके।

कांवड़ यात्रा आस्था, भक्ति और समर्पण का प्रतीक : मंत्री अग्रवाल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पावन श्रावण मास में भगवान भोलेनाथ की भक्ति में श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर है। इसी क्रम में रामगढ़ से कैलाश गुफा की ओर कांवड़ यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं का छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने आत्मीय स्वागत एवं सत्कार किया। उन्होंने कांवड़ यात्रियों से मुलाकात कर उनकी यात्रा के संबंध में जानकारी ली और सभी श्रद्धालुओं को सुखद, सुरक्षित एवं सफल यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं।

मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि श्रावण मास में निकलने वाली कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आस्था, भक्ति, तपस्या और समर्पण की यात्रा है। भगवान शिव के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था और विश्वास इस यात्रा में दिखाई देता है। कांवड़ यात्री कठिन परिस्थितियों और लंबी दूरी की चुनौतियों के बावजूद पूरे उत्साह एवं श्रद्धाभाव के साथ अपनी यात्रा पूरी करते हैं। यह यात्रा श्रद्धालुओं की आध्यात्मिक ऊर्जा और भगवान भोलेनाथ के प्रति उनकी गहरी आस्था का प्रतीक है।

उन्होंने कांवड़ यात्रियों का स्वागत करते हुए भगवान भोलेनाथ से सभी श्रद्धालुओं की यात्रा सुखद, सुरक्षित एवं सफल होने की कामना की। उन्होंने कहा कि बाबा भोलेनाथ सभी कांवड़ यात्रियों पर अपनी कृपा बनाए रखें और उनकी मनोकामनाएं पूर्ण करें।

रामगढ़ से कैलाश गुफा की ओर बढ़ रहे कांवड़ यात्रियों में भगवान शिव के प्रति गहरी आस्था और उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालु पूरे भक्तिभाव के साथ कांवड़ लेकर अपनी यात्रा पर आगे बढ़ रहे हैं। यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं का स्वागत, सेवा और सत्कार भी किया जा रहा है। इससे यात्रा मार्ग पर भक्ति और सेवा का वातावरण बना हुआ है।

मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि धार्मिक यात्राएं समाज में भाईचारे, सेवा, सद्भाव और एकजुटता की भावना को मजबूत करती हैं। कांवड़ यात्रियों की सेवा करना, उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना और उनका उत्साह बढ़ाना भी भगवान शिव की भक्ति का ही एक रूप है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं में श्रद्धा, सेवा और सामुदायिक सहभागिता का विशेष महत्व रहा है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से यात्रा के दौरान सावधानी बरतने, अनुशासन बनाए रखने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की। साथ ही उन्होंने कांवड़ यात्रा के दौरान स्वच्छता बनाए रखने और यात्रा मार्ग पर दूसरों की सुविधा का भी ध्यान रखने का आग्रह किया। इस अवसर पर पूरा वातावरण भक्तिमय रहा और हर हर महादेव के जयकारों से गूंजता रहा। कांवड़ यात्रियों ने आत्मीय स्वागत एवं शुभकामनाओं के लिए मंत्री राजेश अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त किया।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय मे मामला क्रमांक : 202607101000215

मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2025-2026
विषयः- ब-121
छावनी प.ह.न. 00047 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार परदेशी राम निषाद,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

आवेदक - परदेशी राम निषाद पिता/पति/विभाग-स्व. रतिराम पता-शंकर नगर छावनी भिलाई तहसील व जिला दुर्ग द्वारा सावित्री पति रतिराम का मृत्यु दिनांक 30.09.2012 को शंकर नगर छावनी भिलाई तहसील व जिला दुर्ग में मृत्यु हो जाने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 25.08.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा न

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 20/08/2026 को जारी किया जाता है।

DIKESHWAR SAHU
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला-दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

रा.प्र.क्रं./202608101000014/अ-06/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा.प्र.क्र. आवेदिका / आवेदक समीर कुमार गुप्ता आ./ध.प. स्व. अशोक कुमार गुप्ता निवासी-रामनगर सुपेला द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45. रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि ख.नं. 7848/7 रकबा 0.0020, 0.0100 हे. भूमि को रजिस्टर्ड हकत्यागनमा के आधर पर हकत्यागकर्ता मोनिका खुराना आ. स्व. अशोक कुमार गुप्ता अन्य 1 से हकप्राप्त किया है, कि नामांतरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र मय बैनामा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि को नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 24/08/26 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13/08/26 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला-दुर्ग

-:: ईश्तहार ::-

रा.प्र.क्रं. 2026081010000 / ब-121 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेश कुमार अग्रवाल पिता विनोदी लाल अग्रवाल निवासी सुपेला भिलाई द्वारा अपने पुत्र की मृत्यु हो जाने के कारण वारीसान प्रमाण प्रदाय करने हेतु न्यायालय मे आवेदन प्रस्तुत किया गया हैं।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 07.09.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17.08.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

संपादकीय

फिर ऐसी पीड़ा न हो किसी को कौन सोचता है

रोज हादसे होते रहते हैं,रोज हर उमर के लोग मरते रहते हैं,कोई अपनी गलती से मरता है तो कोई दूसरों की गलती मरता है।कोई चाहे अपनी गलती से मरे या किसी दूसरे की गलती से मरे,किसी न किसी को पीड़ा तो होती है।ज्यादातर लोग ऐसे होते हैं जो दूसरे की पीड़ा को महसूस नहीं करते है और सोचते है अपनी गलती के कारण उसे ऐसी पीड़ा हुई है,कुछ लोग होते हैं कि थोड़ी देर के पीड़ा महसूस करते हैं और सांत्वना देने तक ही सीमित रहते हैं।बहुत ही कम लोग ऐसे होते हैं जो अपनी या दूसरों की पीड़ा की इतनी गहराई से महसूस करते हैं कि वह सोचते है कि जैसी पीड़ा मुझे हुई है, वैसी पीड़ा किसी दूसरे को न हो।पीड़ा को बहुत गहराई से महसूस करने के कारण वह ऐसा कुछ करते भी हैं कि जैसी पीड़ा उनको किसी कारण से हुई है, वैसी पीड़ा दूसरों को न हो।ऐसे लोग मनुष्य समाज के लिए अनमोल होते है . ऐसे लोग ही समाज को पीड़ा से बचाने वाले होते हैं।राजनीतिक दल के नेता व पार्षद तो इसी बात पर राजनीति करते रह जाते हैं कि किसी को पीड़ा हुई है तो उसके लिए सरकार,शहर सरकार कितनी जिम्मेदार है।वह पीड़ा को लेकर हल्ला तो बहुत करते हैं लेकिन ऐसा कुछ नहीं करते हैं कि फिर वैसी पीड़ा किसी को न हो।

बहुत सारे ऐसे छोटे छोटे काम होते हैं जो नहीं किए जाते है तो किसी एक परिवार को उससे तकलीफ होती है, किसी बस्ती के लोगों को तकलीफ होती है। ये छोटे छोटे काम तो कोई भी कर सकता है लेकिन ज्यादातर लोग सोचते हैं कि यह काम तो निगम का है या सरकार का है। इसलिए वे किए नहीं जाते हैं और हादसे के बाद हादसे होते रहते हैं,कई परिवारों को तकलीफ होती है पर कोई सबक नहीं लेता है।कहीं पर नाले को नहीं ढके जाने पर किसी के घर के बच्चे की बहकर मौत हो जाती है,किसी गहरे खदान डूबकर युवकों की मौत हो जाती है,कहीं पर आंगनबाड़ी जाते बच्चे की गड्ढे में डूबकर मौत हो जाती है। इन तमाम लोगों को मरने के बाद हो हल्ला तो बहुत होता है। कोई निगम,कोई सरकार को और कोई प्रशासन को कोसता है। कुछ दिन जमकर राजनीति होती है,राजनीति करने वाले कुछ दिन राजनीति करके चुप हो जाते है। कोई यह नहीं सोचता है कि यह छोटा सा काम है यह काम तो हम शहर व मोहल्ले के कुछ लोग मिलकर सकते हैं।

अक्सर काम करने को कोई नहीं सोचता है क्योंकि जो घटनाएं होती है, उसकी पीड़ा को कोई गहराई से महसूस नहीं करता है। वह यह सोच ही नहीं पाता है कि हम मिलकर भी बहुत कुछ कर सकते है, हम सरकार या निगम के भरोसे क्यों रहे इस छोटे से काम के लिए।किसी मोहल्ले के घरों के पास नाला खुला हुआ है तो उस ढकने के लिए कोई लाखों रुपए नहीं लगने है, सौ पचास फर्शी पत्थर लाकर अस्थायी तौर पर नाले को ढका तो जा सकता है। सब बैठे रहे कि यह काम निगम करेगा और एक बच्चे की मौत हो गई। नकटी गांव के पास ब्लू वाटर खदान में फिर एक युवक की डूबने से मौत हो गई।वहां चेतावनी का बोर्ड लगे होने के बाद युवक नहाने पहुंच जाते हैं और उनमें कुछ अभागे लोगों की डूबने से मौत हो जाती है। सबको मालूम है कि यहां नहाने में खतरा है इसके बाद भी नहाने पहुंच जाते हैं क्योंकि इस ब्लू वाटर खदान के आसपास ऐसी व्यवस्था दस साल में नहीं की जा सकी है कि कोई गहरे खदान में नहाने के लिए जा नहीं सके।

दस साल में दस लोगों की इस खदान में डूबने से मौत हो चुकी है। किसी की मौत हो जाने के बाद कुछ दिनो तक शोरशराबा होता है।फिर सब किसी की मौत का इंतजार करते रहते हैं। नकटी गांव में पंचायत है वह भी ऐसी कोई व्यवस्था कर सकती है कि लोग उस खदान तक न जा सकें. उसका कहना है कि उसने तो कई बार प्रशासन से मांग की यहां कंटीले तार लगाए जाएं लेकिन नहीं लगाए गए। दस साल ऐसे ही गुजर गए सब मांग करते रहे कि खदान के आसपास कंटीले तार लगा दिए जाएं,जिला प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया और दस साल में दस लोगों की मौत हो गई। पंचायत को लगा कि कम से कम यहां चेतावनी बोर्ड लगा देना चाहिए तो उसने यह काम कर दिया। चेतावनी बोर्ड लगे होने के बाद भी मौत का सिलसिला नहीं रुका है। 2017 से शुरू हुआ मौत का सिलसिला अब तक जारी है। एक मौत 2017 में हुए,दूसरी 2019 में हुई, 4 लोगों की मौत 2023 में हुई, 2025 में दो लोगों की मौत हुई और अब 2026 में एक युवक की मौत हुई है।

जिले के लोगों ने एक युवक की मौत से सबक लिए हुए होते, एक युवक की मौत की पीड़ा को किसी ने गहराई से महसूस किया होता तो कंटीले तार लगाने का काम कराया जा सकता था,कैसे भी कराया जा सकता था, इसके लिए दान मांगा जा सकता था, इसके लिए क्राउड फंडिग हो सकती थी, इसके लिए जिले की लोकसेवा का काम करने वाली संस्थाओं को सहयोग करने को कहा जा सकता था।सोशन मीडिया का उपयोग कर लोगों से पैसा मांगा जा सकता था, लोग लाखों रुपए लोगों की सेवा के लिए हर साल खर्च करते हैं,समाज के काम में खर्च करते हैं लेकिन अफसोस दस साल में ब्लू वाटर खदान असुरक्षित का असुरक्षित रहा।एक एक कर दस परिवारों ने अपनों को खोया, इस खदान के कारण दस परिवारों को पीड़ा हुई लेकिन उनकी पीड़ा जिले की पीडा नहीं बन सकी। सबकी पीड़ा न बन सकी। अब भी मौका है जिले की जनसेवा करने वाली संस्थाओं का सामने आना चाहिए और ब्लू वाटर खदान को कंटीले तारों से घेरना जरूरी है तो यह काम उनको करवाना चाहिए।

खबरों की दुनिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की चुनौती

यहां आंखों देखा और कानों सुना भी झूठ हो सकता है!

संजय उवाच

प्रो. संजय द्विवेदी

मीडिया की दुनिया के लिए यह सबसे कठिन समय है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने सब कुछ हिलाकर रख दिया है।अगले पांच वर्षों में न्यूज रुम का चेहरा बदलने के संकल्प के साथ इस नए ज्ञान क्षेत्र ने जितने कम समय में अपनी उपयोगिता बनाई है, वह चकित करने वाली है।जिस दौर में समूचा मीडिया विश्वसनीयता और प्रामणिकता के संकट से जूझ रहा है, ऐसे समय में एआई के लिए मीडिया समूहों का उत्साह और उसकी स्वीकार्यता वास्तव में आश्चर्य में डालने वाली है।

सही मायनों में यह वह समय है जब आंखों देखी तथा कानों सुनी बातें भी छलावा और धोखा साबित हो रही हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीपफेक तकनीक ने सूचनाओं का ऐसा धुंधला समंदर रच दिया है, जहाँ कुछ क्षणों में फर्जी खबरें सच का लिबास पहनकर तैरने लगती हैं।ऐसे में सवाल केवल यह नहीं है कि खबर कितनी तेजी से आप तक पहुँच रही है, बल्कि असली चुनौती यह है कि उस पर भरोसा कितना किया जाए।मशीनी एल्गोरिदम शब्दों को सजा सकता है, आंकड़े जोड़ सकता है, लेकिन सच को तलाशने की नैतिक हिम्मत और मानवीय संवेदना केवल एक निष्पक्ष पत्रकार के पास ही होती है।

डीपफेक से मुकाबला

युद्ध और राजनीतिक भाषणों के फर्जी वीडियो और आडियो वायरल हो जाना अब नई बात नहीं रही।पिछले चुनाव में भी कई दिवंगत नेताओं के वीडियो चले जिसमें वे अपनी पार्टी के वोट की अपीलें कर रहे हैं।जनमत को प्रभावित करने के लिए ऐसे प्रयास चरम पर हैं, जिनकी विश्वसनीयता शून्य है।'वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम' की एक रिर्पोट में एआई जनित गलत सूचनाओं को दुनिया के बड़े खतरों में बताया गया है।आज दुनिया और देश के अनेक बड़े मीडिया हाउस आधिकारिक तौर पर एआई का उपयोग डेटा विश्लेषण और अनुवाद के लिए कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि कई हजार पेज के डेटा का आंकलन -विश्लेषण सामान्य मनुष्य के लिए कई महीनों का काम है जिसे एआई के टूल्स मिनटों में संभव कर रहे हैं।बावजूद इसके अनेक मीडिया आउटलेट्स एआई से खबरें या विश्लेषण लिखवाकर हंसी के पात्र बन रहे हैं। ऐसे में संशोधन, सुधार और मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त सामग्री से कचरा तो बढ़ ही रहा है, विश्वनीयता के नए संकट सामने हैं।बड़े भाषा माडल (एलएलएम) कभी पूरी तरह से काल्पनिक आंकड़े, अदालत के फैसला और ऐतिहासिक घटनाएं गढ़ते हुए दिखते हैं। जिसे सामान्य पाठक सच समझ बैठता है। तकनीकी विशेषज्ञ इसे हैलुसिनेशन कह रहे हैं।जिसका सीधा आशय यह है कि जिन चीजों के सटीक जवाब एआई के पास नहीं होते वह उनके मनगढंत उत्तर प्रस्तुत कर देता है।सजग संपादक और संपादकीय दृष्टि के अभाव में यह सामग्री कई तरह से संकट पैदा कर सकती है।

खबरों में सच की तलाश

सच और झूठ का फासला बहुत कम हो गया है। खबरों का सत्यापन पत्रकारिता की पहली शर्त है।लेकिन होड़ और दौड़ में वह धूमिल हो रही है।सामान्य से लगते कामों में एआई का उपयोग तो किया जा रहा है किया भी जाना चाहिए। किंतु किसी खोजी रिपोर्ट के लिए जमीनी स्तर पर जाकर काम करना, कागजात की जांच करना पत्रकारों की ही जिम्मेदारी है।तकनीक पर अति निर्भरता के समय में हमें उसके गंभीर खतरों का भी भान होना चाहिए। मैदानी पत्रकारिता में मिट्टी की जो खुशबू है वह मैदान में उतरे बिना प्रामणिक और भरोसेमंद नहीं हो सकती। मानवीय संस्पर्श और संवेदना किसी खबर का वितान बड़ा कर सकती है।जाहिर तौर पर पत्रकारिता की निर्भरता पूरी तरह एआई टूल्स पर संभव नहीं है। पत्रकारिता जहां निष्पक्षता, समाज के हित-सद्भाव, दलगत राजनीति से ऊपर उठकर चिंतन को प्राथमिकता देती है, वहीं एल्गोरिदम का पूर्वाग्रह संभव है। अतः इसे समझने की जरुरत है।एआई माडल उसी डेटा से सीखते हैं जो उपलब्ध है।ऐसे में उपलब्ध डेटा अगर किसी प्रकार के पूर्वाग्रह से ग्रस्त है तो एआई भी उसी प्रकार के परिणाम देगा।कई शोध बताते हैं कि पश्चिमी मानकों पर ट्रेंड एआई माडल अक्सर विकासशील देशों के सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों पर गलत संदर्भ प्रस्तुत करते हैं।

आसानी से अर्जित नहीं होता भरोसा

भरोसा या विश्वास वह शब्द है जिसे प्राप्त करना आसान नहीं है। आप भले एआई का उपयोग करें किंतु जैसे ही आप यह लिखते हैं कि खबर एआई द्वारा बनी है और इसे मानव संपादक के द्वारा देख लिया गया है।पाठक का भरोसा एआई जनित खबर पर तुरंत कम हो जाता है। पाठक वास्तविक पत्रकारों और लेखकों द्वारा लिखी गई सामग्री को ज्यादा भरोसेमंद मानते हैं। कोई भी अखबार या मीडिया हाउस सालों-साल में यह प्रतिष्ठा अर्जित करता है।उसे एआई के नए माध्यम तुरंत समाप्त कर सकते हैं। दूसरी ओर कापीराइट और बौद्धिक संपदा से जुड़े संकट भी सामने खड़े हैं।कई प्रमुख मीडिया संगठन इस बात पर आपत्ति कर रहे हैं तो कई ने बिना अनुमति और बिना भुगतान उनकी सामग्री के उपयोग के लिए एआई कंपनियों पर मुकदमे भी किए थे।ऐसे में तमाम ऐसे विवाद अभी भी एआई के साथ जुड़े हुए हैं। बताया जाता है कि इंटरनेट पर हजारों की संख्या में ऐसी वेबसाइट्स तैर रही हैं जो केवल विज्ञापन से पैसे कमाने के लिए झूठ का व्यापार कर रही हैं।वे हर पल एआई से झूठी खबरें गढ़ते हुए पोस्ट करती रहती हैं।मीडिया वाचडाग न्यूज गार्ड ने ऐसे तमाम अविश्वसनीय वेबसाइटों की पहचान की है। ऐसे में सच और झूठ के बीच मीडिया के सत्यान्वेषण का धर्म सहम कर रह जाता है।हम सब मानते हैं संपादकीय विवेक का कभी कोई विकल्प नहीं हो सकता।इस दौर में भी यह एक सच्चाई है।नैतिक विवेक और समाज की गहरी समझ के बिना किया गया कोई भी संवाद या संचार संकट ही खड़ा करेगा।

मुख्यधारा के मीडिया की ओर लौटना होगा

सारी तकनीकी क्रांति के बाद भी मुख्यधारा के मीडिया का वजूद बचा रहेगा क्योंकि एआई जनित भ्रमों, फर्जी खबरों की बाढ़ के बीच हमें सत्यापित जानकारी की ओर लौटना ही है। ऐसे में 'प्रिंट इज डेड' जैसी अवधारणाओं के बीच भी मुख्यधारा का मीडिया अपनी विशेषताओं के कारण, संपादकीय गुणवत्ता के कारण बना और बचा रहेगा।सत्य आसानी से नहीं मिलता, इसे समाज भी स्वीकारेगा। इसके साथ ही प्रामणिक और भरोसेमंद मंचों की ओर लौटना ही होगा।क्योंकि यहां प्रामणिक मंच केवल खबरों का व्यापार नहीं कर रहे होगें बल्कि वे अपनी खबरों के सच होने के गारंटी भी देगें।जाहिर है पारंपरिक मीडिया के लिए वह दिन बहुत खास होगा।डीपफेक और एल्गोरिदम के समय में अब चुनौती ही असली और सही खबर पाना है।क्या वो आपके पास है?

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

दिमागी नक्सल : एक शब्द का ब्रह्मास्त्र और गांधीवादी साम्यवाद की वर्णसंकर विचारधारा

राजीव चौबे फाउंडर राष्ट्रीय चेतना न्यूज भिलाई

लाल किले से प्रधानमंत्रि द्वारा स्वतंत्रता दिवस के भाषण में प्रयुक्त दिमागी नक्सल के एक तीर से पूरा सेक्युलर तंत्र तिलमिला उठा है और अब तक हजारों की संख्या में बिलों में छुपे विषधर बाहर आकर फुंफकारने लगे हैं एक बड़े से भाषण में प्रयुक्त एक मात्र शब्द की इतनी व्यापक और उग्र प्रतिक्रिया की उम्मीद बड़े बड़े राजनैतिक पंडितों को भी नहीं थी , लेकिन ये शब्द वाण कोई सधारण अस्त्र नहीं था ये एक शब्द दिमागी नक्सल ब्रह्मास्त्र साबित हुआ और ऐसा चला कि इस अस्त्र ने ऊपर से सेक्युलर खाल का आवरण ओढ़े और दिमाग से नक्सली राजनीतिज्ञ , पत्रकार , चिंतक , विचारक सभी के आवरण को चीर डाला और बिलबिलाते हुए सब बहार आ गए।

आखिर आइये समझते हैं ये दिमागी नक्सल क्या है ? दिमागी नक्सल से इशारा साफ साफ उनकी तरफ है जो वामपंथी विचारधारा का प्रयोग गांधी के कवच से ढँक कर रहे हैं . घोर हिंसक , लोकतंत्र विरोधी और तानाशाह साम्यवादी विचारधारा में गाँधी के दर्शन के लिए कोई स्थान ही नहीं है फिर भी जब कथित भारतीय बुद्धिजीवी या फिर अर्बन नक्सल या फिर दिमागी नक्सल भारत में गांधीवादी साम्यवाद की नई धारा बहते हुए जब बड़ी बेशर्मी से गाँधी गान करते हैं तो ऐसा लगता है कि पूरे देश की जनता को नासमझ समझना ही इनके स्वयंभू बुद्धिजीवी होने का आधार है।

'गांधीवादी साम्यवाद'इस वर्णसंकर विचारधारा की उत्पत्ति के कारण , व्यापकता और प्रभाव विचार अब आवश्यक हो गया है। भारत में प्रचलित राजनीतिक विचारधाराओं में वामपंथी साम्यवादी विचारधारा तथा दक्षिण पंथी राष्ट्रवादी विचारधारा प्रमुख हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी भारत का एक साम्यवादी दल है।इस दल की स्थापना 26 दिसम्बर 1925 को कानपुर नगर में एम एन राय ने की थी । 1964 में इसका विभाजन हुआ और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) सी पी आई (एम) का गठन हुआ।

दक्षिण पंथी राष्ट्रवादी विचारधारा केअनुयायी राजनैतिक दल 'भारतीय जनसंघ' की स्थापना 21 अक्टूबर 1951 को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में हुई थी , उनके साथ प्रोफेसर बलराज मधोक और दीनदयाल उपाध्याय भी संस्थापक सदस्यों में शामिल थे।1977 के कॉंग्रेस विरोधी लहर में इस दल का विलय 'जनता पार्टी' में हो गया किंतु धूर विरोधी समाजवादियों के साथ विचारधारा के टकराव के चलते 1980 में जनसंघियों ने जनता पार्टी से नाता तोड़ राष्ट्रवादी विचारधारा पर आधारित भारतीय जनता पार्टी के नाम से नए राजनैतिक दल का गठन किया और अटल बिहारी बाजपेयी इसके प्रथम अध्यक्ष बने।साम्यवादी और राष्ट्रवादी विचारधाराओं विपरीत ध्रुवों पर केंद्रित धूर विरोधी विचारधाराएँ हैं लेकिन आश्चर्यजनक रूप से भारत में इन दोनों विचारधाराओं के पास एक कॉमन टूल है वो है 'गाँधी'।इस टूल का प्रयोग दोनों ही विचारधाराओं में बराबर अनुपात में होता है।

भारतीय राष्ट्रवाद के सबसे बड़े विचारक रहे पंडित दीन दयाल उपाध्याय और इनके एकात्म मानव दर्शन जिसे आमतौर पर एकात्म मानववाद कहा जाता है इस सिद्धांत को भारतीय जनता पार्टी ने अपने मूल सिद्धांत के रूप में अंगीकार किया है एकात्म मानववाद गांधीवाद से पूर्णत: सहमति ना रखते हुए भी काफी हद तक गांधीवाद के बहुत करीब है क्योंकि इसमें वर्ग संघर्ष पर आधारित ' साम्यवाद 'और पूंजीपतियों के इर्द गिर्द केंद्रित सत्ता पर आधारित ' पूंजीवाद ' को नकारते राष्ट्र के समस्त नागरिकों के एकात्म होने और समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान की निति 'अंत्योदय' का सृजन होता है जिसमे अहिंसक वर्ग संघर्ष को बुरी तरह से नकारा गया है और गाँधी की तरह ही स्वदेशी को भी सर्वोच्च वरीयता दी गई है अत: राष्ट्रवादियों द्वारा गाँधी गान समझ आता है किन्तु, हिंसक वर्ग संघर्ष के सिद्धांतों पर आधारित वामपंथी विचारधारा का गांधीगान समझ से परे है। साम्यवादी विचारधारा जिसके मूल में ईर्ष्या आधारित हिंसा है , "power flows through the barrel of a gun" के सिद्धांतों को मानने वाले वाम पंथी जो वैचारिक रूप से गाँधी से कभी सहमत नहीं रहे। आइये साम्यवाद और गांधीवाद के अंतर को समझते हैं।

अहिंसा बनाम वर्ग संघर्ष : गांधीजी का दर्शन अहिंसा और सत्याग्रह पर आधारित था, जिसे वे स्वतंत्रता प्राप्त करने और समाज में बदलाव लाने का एकमात्र नैतिक तरीका मानते थे।इसके विपरीत, वामपंथी विचारधारा वर्ग संघर्ष को केंद्रीय मानती है और उनका तर्क था कि पूंजीवादी समाजों में क्रांति लाने के लिए हिंसक क्रांति आवश्यक हो सकती है, जैसा कि रूसी बोल्शेविक क्रांति में देखा गया।

साधन और साध्य : गांधीजी का दृढ़ विश्वास था कि पवित्र साध्य को प्राप्त करने के साधन भी उतने ही पवित्र होने चाहिए । वामपंथियों के लिए, साध्य (सर्वहारा क्रांति और साम्यवाद की स्थापना) अधिक महत्वपूर्ण था, और उनका मानना था कि इस साध्य को प्राप्त करने के लिए किसी भी आवश्यक साधन का उपयोग किया जा सकता है।

आर्थिक दर्शन : वामपंथी पूंजीवाद के घोर विरोधी हैं और चाहते हैं कि उत्पादन के साधनों पर श्रमिकों का नियंत्रण हो। गांधीजी ने "ट्रस्टीशिप" (न्यासधारिता) की अवधारणा पेश की, जिसके तहत पूंजीपति वर्ग को अपनी संपत्ति का उपयोग समाज की भलाई के लिए एक न्यासी (trustee) के रूप में करना था।वामपंथियों ने इस अवधारणा को अव्यावहारिक और पूंजीपति वर्ग के हितों की रक्षा करने वाला माना।

अंतरराष्ट्रीय निष्ठा : गांधी और राष्ट्रवादियों को अक्सर वामपंथियों की सोवियत संघ और चीन के प्रति निष्ठा पर आपत्ति थी, उनका मानना था कि भारत के वामपंथि नेता भारतीय राष्ट्रीय हितों के बजाय अंतरराष्ट्रीय वामपंथि आंदोलन के निदेर्शों को प्राथमिकता देते हैं और 1964 के भारत चीन युद्ध में भारत के वामपंथीयों ने चीन का खुला समर्थन कर इसे प्रमाणित भी किया। संक्षेप में, जहां गांधी ने सर्वोदय (सभी का उत्थान) और अहिंसक साधनों के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन की वकालत की, वहीं वामपंथियों ने मार्क्सवादी सिद्धांतों के आधार पर वर्ग-विहीन समाज की स्थापना के लिए एक अधिक कट्टरपंथी और हिंसक दृष्टिकोण का समर्थन किया।

आइये अब मूल विषय पर चर्चा करते हैं इस गांधीवादी साम्यवाद , इस वर्णसंकर विचारधारा की उत्पत्ति के कारण - दरअसल पिछले चालीस वर्षों में पूरे विश्व में साम्यवादी व्यवस्था बुरी तरह से चरमरा गई , इसकी शुरूवात हुई 3 अक्टूबर 1990 के दिन रूस के प्रभाव वाले साम्यवादी पूर्व जर्मनी के पश्चिम जर्मनी में विलय और जर्मन एकीकरण से उसके बाद 26 दिसंबर 1991 के दिन सोवियत संघ का विघटन और फिर 1978 में चीन की आर्थिक नीति में बदलाव के बाद आज साम्यवादी क्रांति से उपजे सभी देश पूंजीवाद के मार्ग पर चल रहे हैं , ऐसी स्थिति में वैश्विक रूप से खारिज और मृतप्राय साम्यवादी विचारधारा को भारत में सहारा देने के लिए मजबूत कन्धों की आवश्यकता थी वो कन्धा भारत के सबसे बड़े जन नेता महात्मा गाँधी के अलावा भला कौन हो सकता था।

इस प्रकार घोर अहिंसक , लोकतंत्र विरोधी और तानाशाह साम्यवादी विचारधारा में गाँधी के दर्शन के लिए कोई स्थान ही नहीं है फिर भी जब कथित भारतीय बुद्धिजीवी जब बड़ी बेशर्मी से गाँधी गान करते हैं तो ऐसा लगता है कि पूरे देश की जनता को मूर्ख समझना ही इनके स्वयंभू बुद्धिजीवी होने का आधार है। साम्यवादी गांधीवाद दरअसल ये High breed ideology है हिंदी में इसे वर्ण संकर विचारधारा कह सकते जैसे घोड़े और गधे के संकरण से

खच्चर बनाया गया भेड़िए और कुत्ते के संकरण से शेफर्ड बना उसी तरह ये भेड़िए और भेड़ के संकरण से तैयार विचारधारा है जिसमे खाल भेड़ की है और अंदर भेड़िया है । अब इस वर्णसंकर विचारधारा की व्यापकता और प्रभाव को समझने के लिए आइये पहले इन वामपंथियों की मोडस ऑपरेंडी याने की इनकी कार्यशैली को ठीक से समझने की कोशिश करते हैं। इस वामपंथी व्यवस्था में दो तरह के कार्यकर्ता होते हैं जो अलग अलग शारीरिकऔर बौद्धिक रूप से सक्रिय होते हैं।शारीरिक रूप से सक्रीय कार्यकर्त्ता छात्रों ,मजदूरों , किसानों और वनवासियों में असंतोष जगाकर अराजकता और हिंसा को बढ़ावा देते हैं और ये कायकर्ता गाँधी का नाम लेना भी पसंद नहीं करते वहीं दूसरी और बौद्धिक रूप से सक्रीय कार्यकर्त्ता सम्प्रेषण के समस्त माध्यमों का प्रयोग कर अपनी विचारधारा का प्रसार करते हैं सम्प्रेषण की माध्यमों में समाचार पत्र , थियेटर , सिनेमा और अब सोशयल मीडिया इनका इनके प्रमुख औजार हैं। देश के कुछ स्वयंभू बड़े बुद्धिजीवी पत्रकार जैसे कि राजदीप सरदेसाई , रविश कुमार , पुण्य प्रसून वाजपेयी , अभिसार शर्मा और आरफा खानम शेरवानी ये इस देश में 'गांधीवादी साम्यवाद' नामक वर्ण संकर विचाधारा के प्रवर्तक हैं।मैं जब इनको सुनता हूँ तो ऐसा लगता है कि ये वाक कला से कहीं अधिक पाक कला में सिद्धहस्त हैं क्योंकि जिस तरह पाक कला में निपुण कोई खानसामा कोई बावर्ची नमक , शक्कर , मिर्च , करेला और नीम्बू जैसे विपरीत स्वाद और तासीर वाली वस्तुओं को मिला कर कोई व्यंजन तैयार कर लेता है करेले के अंदर नमक मिर्च नीम्बू का मसाला भर उसके ऊपर शक्कर का आवरण चढ़ा देता है उसी बावर्ची की तरह ये भी भेड़िये को बड़ी सहजता से भेड़ के आवरण में सजा कर अर्थात हिंसक साम्यवाद के ऊपर अहिंसक गांधीवाद का आवरण चढ़कर हमारे सामने रख देते हैं।

ये भी विचित्र विडंबना है कि देश के बहुसंख्यक पाठकों , श्रोताओं और दर्शकों द्वारा नकारे जाने के बावजूद इन कथित बुद्धिजीवियों के पास सीमित ही सही किन्तु कुछ तो फॉलोइंग शेष है जो इस मरती हुई विचारधारा को प्राण वायु कब तक मिलेगी।

कविता का कोना

आया सावन मास है

झूमे वन की डालियाँ, महके बेला-हार।
बूँदों की पायल बजे, गूँजे मधुर पुकार।।

माटी की सौंधी महक, खोले मन के द्वार।
सावन जैसे जोड़ दे, बिछड़े दिल के तार।।

नदिया कल-कल बह उठी, खेत हुए खुशहाल।
हरियाली ने ओढ़ ली, धरती ने चुनरी लाल।।

आया सावन मास है, दिखे नीर चहुँ ओर।
दिल मेरा है बावरा, नाचे बनके मोर।।

बदरा भाव जगा गये, बँधी मिलन की आस।
अबकी सावन में यहाँ, मीत रहेंगे पास।।

अमृता मिश्रा
भिलाई

वंदेमातरम क्यों बना राजनीतिक विवाद का विषय?

सौरभ वार्ष्णेय

वंदेमातरम केवल दो शब्दों का उच्चारण नहीं है।यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम की स्मृतियों, राष्ट्रभक्ति की भावना और उस दौर के संघर्ष का महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है।यह एक ऐसी ऊर्जा है जिसके गायन से देशभक्ति से वातावरण भी गुंजायमान हो जाता है।जिस गीत ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध भारतीयों में आत्मविश्वास और राष्ट्रीय चेतना जगाने में भूमिका निभाई, वह आज राजनीतिक बहस और विवाद का विषय बन गया है।सवाल यह नहीं है कि वंदेमातरम् का सम्मान होना चाहिए या नहीं—उसका सम्मान भारतीय इतिहास और स्वतंत्रता आंदोलन के संदर्भ में निर्विवाद रूप से होना चाहिए। असली सवाल यह है कि आखिर एक राष्ट्रीय भावना से जुड़े गीत को बार-बार राजनीतिक विवाद के केंद्र में क्यों खड़ा कर दिया जाता है? अभी 15 अगस्त को कांग्रेस के कार्यालय में फिर से इसको लेकर विरोधियों ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया।यानी देशभक्ति को भी तराजू में तोला जा रहा है।स्वस्थ लोकतंत्र के लिए यह सह नहीं है।आज देश 80 वां स्वतंत्रता दिवस मना चुका है।आगामी दिवस जब 21 साल बाद देश 100 वां स्वतंत्रता दिवस मनायेगा तब भी हम देश को उंचाइयों पर ले जाने की जगह यह विवाद कर रहे होंगे।आज के राजनेताओं को देश के लिए कुछ सोचना होगा।

भारत की सबसे बड़ी खूबसूरती उसकी विविधता है। यहां अनेक धर्म, भाषाएं, संस्कृतियां, परंपराएं और विचारधाराएं सदियों से साथ-साथ रही हैं।स्वतंत्रता आंदोलन ने भी इसी विविधता को एक साझा राष्ट्रीय उद्देश्य में जोड? का काम किया था। वंदेमातरम् उसी दौर की राष्ट्रीय चेतना का एक महत्वपूर्ण स्वर था।इसलिए जब इसे राजनीतिक बयानबाजी का हथियार बनाया जाता है, तो केवल एक गीत पर विवाद नहीं होता, बल्कि उस व्यापक राष्ट्रीय भावना पर बहस खड़ी हो जाती है, जिसने देश को स्वतंत्रता के संघर्ष में एकजुट किया था।वंदेमातरम्की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को समझना जरूरी है।बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत उन्नीसवीं सदी के अंतिम दौर में सामने आया।बाद में यह स्वतंत्रता आंदोलन में राष्ट्रीय चेतना का महत्वपूर्ण प्रतीक बन गया।अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने इसे उत्साह और संघर्ष की भावना के साथ अपनाया। ब्रिटिश शासन के विरुद्ध आंदोलनों में इसके उद्घोष ने लोगों में राष्ट्रीय भावना पैदा की। यही कारण है कि वंदेमातरम्को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक विशिष्ट स्थान प्राप्त है।

लेकिन इतिहास के साथ-साथ उस समय की सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों को भी समझना होगा।भारत एक बहुधार्मिक और बहुसांस्कृतिक समाज था। राष्ट्रवादी आंदोलन को व्यापक बनाने के लिए यह आवश्यक था कि देश के सभी समुदायों को उसमें बराबर का स्थान महसूस हो।वंदेमातरम् के कुछ अंशों की धार्मिक प्रतीकात्मकता को लेकर समय-समय पर आपत्तियां भी सामने आईं।इसी पृष्ठभूमि में कांग्रेस ने 1937 में यह निर्णय लिया कि सार्वजनिक अवसरों पर गीत के शुरूआती दो पदों का उपयोग किया जाए, जिन्हें अपेक्षाकृत अधिक स्वीकार्य माना गया।यह निर्णय बताता है कि स्वतंत्रता आंदोलन के नेतृत्व ने भी राष्ट्रीय एकता और संवेदनशीलता के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया था।

स्वतंत्र भारत में भी वंदेमातरम्को विशेष सम्मान मिला।संविधान सभा ने 24 जनवरी 1950 को इसे राष्ट्रगान के समान सम्मान देने की बात स्वीकार की।वहीं जन गण मन को राष्ट्रगान और वंदेमातरम् को राष्ट्रीय गीत का दर्जा मिला।यानी भारत के संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन में दोनों की अपनी विशिष्ट पहचान बनी।समस्या तब पैदा होती है, जब इस ऐतिहासिक संतुलन को राजनीतिक बहस में बदलकर यह साबित करने की कोशिश की जाती है कि कौन अधिक राष्ट्रवादी है और कौन कम।

राष्ट्रभक्ति किसी एक गीत, नारे या प्रतीक तक सीमित नहीं हो सकती।देश के प्रति सम्मान का अर्थ संविधान के प्रति निष्ठा, कानून का सम्मान, नागरिकों के अधिकारों की रक्षा, कर्तव्यों का पालन और राष्ट्रहित में ईमानदार योगदान भी है। यदि कोई व्यक्ति वंदेमातरम् का सम्मान करता है तो यह उसकी राष्ट्रभक्ति की अभिव्यक्ति हो सकती है, लेकिन किसी व्यक्ति की राष्ट्रभक्ति को केवल इस आधार पर मापना कि वह किसी विशेष अवसर पर किस तरह का नारा लगाता है, लोकतांत्रिक समाज के लिए स्वस्थ दृष्टिकोण नहीं माना जा सकता। दूसरी ओर, यह भी सही है कि राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान की भावना समाज में बनी रहनी चाहिए। किसी राष्ट्रीय गीत या स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े प्रतीक का जानबूझकर अपमान करना भी उचित नहीं है।लोकतंत्र का अर्थ केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। इसलिए वंदेमातरम् के सम्मान और उसके राजनीतिक दुरुपयोग—दोनों के बीच स्पष्ट अंतर करना होगा।

आज राजनीतिक दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वे इतिहास को समझें, उसे चुनावी हथियार न बनाएं। वंदेमातरम् पर बहस यदि इतिहास, साहित्य, स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्रीय एकता के संदर्भ में हो तो वह सार्थक हो सकती है।लेकिन यदि इसका इस्तेमाल विरोधी दल या किसी समुदाय को राष्ट्रविरोधी साबित करने के लिए किया जाए तो यह बहस समाज को जोड? के बजाय विभाजित करेगी।यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न और है—क्या राष्ट्रवाद का अर्थ केवल भावनात्मक नारों तक सीमित हो जाना चाहिए? यदि देश में बेरोजगारी है, किसान अपनी आय को लेकर चिंतित है, युवा बेहतर शिक्षा और रोजगार की तलाश में है, सीमाओं की सुरक्षा चुनौतीपूर्ण है, शहरों में प्रदूषण बढ़ रहा है और गरीब व्यक्ति सम्मानजनक जीवन के लिए संघर्ष कर रहा है, तो इन समस्याओं के समाधान के लिए काम करना भी राष्ट्रभक्ति है।सैनिक सीमा पर देश की रक्षा करता है, किसान खेत में अन्न पैदा करता है, शिक्षक नई पीढ़ी तैयार करता है, वैज्ञानिक अनुसंधान करता है और श्रमिक अपने श्रम से अर्थव्यवस्था को गति देता है। इन सभी के योगदान में राष्ट्रभक्ति दिखाई देती है।

दुर्भाग्य से हमारी राजनीतिक बहस में कई बार वास्तविक मुद्दों की जगह प्रतीकों को केंद्र में लाने की प्रवृत्ति बढ़ती दिखाई देती है।प्रतीकों की अपनी भूमिका है, लेकिन प्रतीक तभी सार्थक होते हैं जब उनके पीछे की भावना और जिम्मेदारी को भी समझा जाए।वंदेमातरम् का मूल संदेश मातृभूमि के प्रति प्रेम और समर्पण की भावना से जुड़ा है।यदि हम इस भावना को समझ लें तो विवाद अपने आप छोटा हो सकता है।यह भी विचार करने की जरूरत है कि किसी राष्ट्रीय प्रतीक के प्रति सम्मान स्वाभाविक होना चाहिए, राजनीतिक दबाव का परिणाम नहीं।देशभक्ति को आदेश से पैदा नहीं किया जा सकता।वह नागरिक के मन में इतिहास, शिक्षा, संस्कार और देश के प्रति अपनेपन की भावना से विकसित होती है।जब राष्ट्रप्रेम को राजनीतिक पहचान की कसौटी बना दिया जाता है, तब लोकतांत्रिक समाज में अनावश्यक तनाव पैदा होना स्वाभाविक है।

वंदेमातरम के संदर्भ में राजनीतिक दलों को भी संयम दिखाना चाहिए। सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि राष्ट्रवाद किसी एक दल की संपत्ति नहीं है।विपक्ष को भी यह समझना होगा कि ऐतिहासिक राष्ट्रीय प्रतीकों को केवल राजनीतिक विरोध के लिए खारिज करना उचित नहीं है। दोनों पक्षों को इतिहास के प्रति सम्मान और वर्तमान के प्रति जिम्मेदारी का परिचय देना चाहिए।सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत की राष्ट्रीय पहचान बहुस्तरीय है।इसमें वंदेमातरम है, जन गण मन है, तिरंगा है, संविधान है और स्वतंत्रता आंदोलन की असंख्य स्मृतियां हैं।इसमें शहीदेआजम भगत सिंह का साहस है, महात्मा गांधी का सत्याग्रह है, सुभाषचंद्र बोस का संघर्ष है, सरदार पटेल की एकता की भावना है और डॉ. आंबेडकर द्वारा निर्मित संवैधानिक लोकतंत्र की दृष्टि भी है।भारत को इनमें से किसी एक प्रतीक में सीमित नहीं किया जा सकता।

वंदेमातरम पर विवाद खड़ा करने से पहले हमें यह पूछना चाहिए कि क्या हम उस भारत की भावना को समझ रहे हैं, जिसके लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने संघर्ष किया था? वह भारत ऐसा था जिसमें विभिन्न समुदायों ने मिलकर विदेशी शासन का मुकाबला किया। स्वतंत्रता का संघर्ष किसी एक जाति, धर्म या भाषा का संघर्ष नहीं था। वह पूरे भारत की स्वतंत्रता का आंदोलन था। आज आवश्यकता इस बात की है कि वंदेमातरम् को विवाद का विषय बनाने के बजाय इतिहास और राष्ट्रीय चेतना के सम्मान के रूप में देखा जाए।जहां सम्मान आवश्यक है, वहां सम्मान हो; जहां संवैधानिक स्वतंत्रता का प्रश्न है, वहां संविधान सर्वोपरि हो; और जहां राजनीतिक मतभेद हों, वहां लोकतांत्रिक संवाद हो।

वंदेमातरम का सम्मान तभी सार्थक होगा, जब उसके नाम पर समाज में दूरी नहीं, बल्कि देश के प्रति साझा जिम्मेदारी की भावना मजबूत हो। राजनीति को राष्ट्रभावना से प्रेरणा लेनी चाहिए, राष्ट्रभावना को राजनीति का हथियार नहीं बनाना चाहिए। भारत की शक्ति उसकी विविधता में है और उसकी लोकतांत्रिक परंपरा का मूल संदेश भी यही है कि असहमति के बावजूद देश सबसे ऊपर रहे।इसलिए समय आ गया है कि वंदेमातरम को लेकर होने वाली बहस नारों की राजनीति से ऊपर उठे।इतिहास को इतिहास की तरह पढ़ा जाए, राष्ट्रीय प्रतीकों को सम्मान दिया जाए और लोकतांत्रिक अधिकारों को भी उतनी ही गंभीरता से समझा जाए।आखिरकार राष्ट्र केवल गीतों और नारों से नहीं बनता—राष्ट्र नागरिकों के विश्वास, संविधान की मर्यादा, सामाजिक सद्भाव और करोड़ों लोगों के ईमानदार योगदान से बनता है।वंदेमातरम् पर बहस हो तो भारत को जोड़ने के लिए हो, बांटने के लिए नहीं।यही उस गीत की ऐतिहासिक भावना के प्रति सच्चा सम्मान होगा।

कविता का कोना

आस्था की भीड़

भगवान मिलेगा, हम भीड़ में घुस जाते हैं,
धक्का-मुक्की खाकर, घसीटे जाते हैं।
हे भगवान! इतना तड़पाना क्या जरूरी है,
तेरे दर्शन की ऐसी परीक्षा क्या जरूरी है?

छोटे-छोटे बच्चे परेशान हैं,
बूढ़ों की हड्डियाँ तक टूट रही हैं।
ऊपर से बरस रहा है पानी,
चारों ओर कीचड़ ही कीचड़ है।

कीड़े-मकोड़ों का भी डर है,
फिर भी कदम रुकते नहीं,
क्योंकि यह सिर्फ भीड़ नहीं—
यह आस्था की भीड़ है।

कोई तेरे दर्शन को आया है,
कोई मन की मुराद लेकर आया है।
कोई दर्द छिपाए खड़ा है,
तो कोई विश्वास लिए खड़ा है।

हे भगवान!
अगर तू मंदिर में है, तो भीड़ में भी है,
अगर तू मूर्ति में है, तो हर दिल में भी है।

बस इतनी कृपा कर—
तेरे भक्तों को दर्शन के लिए
इतना न तड़पना पड़े।

कवियत्री-
ममता दुबे भिलाई

सावन में शिवलिंग पर चढ़ाएं ये 3 तेल, सुख-सौभाग्य का मिलेगा वरदान

हिंदू धर्म में सावन का महीना सुख-सौभाग्य का कारक माना जाता है। अगर आप शिवलिंग की पूजा कर रहे हैं भोलेनाथ को कुछ ऐसे तेल हैं, जो चढ़ाने से उत्तम परिणाम मिल सकते हैं। सावन का पवित्र महीना भगवान शिव को समर्पित है। इस दौरान शिव भक्त उनकी कृपा पाने के लिए अनेक प्रकार से पूजा-अर्चना करते हैं। सावन में शिवलिंग पर जल चढ़ाने का विशेष महत्व है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ विशेष तेलों को शिवलिंग पर अर्पित करने से सुख-सौभाग्य और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है? ऐसे ही 3 तेलों के बारे में विस्तार से जानते हैं, जिन्हें सावन में शिवलिंग पर चढ़ाना अत्यंत शुभ माना जाता है।

शिवलिंग पर चढ़ाएं तिल का तेल

हिंदू धर्म में तिल का तेल अत्यंत पवित्र माना जाता है। इसे विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों और पूजा-पाठ में उपयोग किया जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, तिल की उत्पत्ति भगवान विष्णु के शरीर से हुई है, इसलिए इसे अत्यंत शुभ माना जाता है। वहीं, भगवान शिव को तिल और तिल से बनी चीजें अर्पित करना विशेष फलदायी माना गया है। माना जाता है कि सावन के महीने में भगवान शिव धरती पर ही वास करते हैं और अपने भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। इस दौरान शिवलिंग पर तिल का तेल चढ़ाने से कई प्रकार के रोग, दोष और कष्टों से मुक्ति मिलती है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता का संचार करता है।

शिवलिंग पर चढ़ाएं चंदन का तेल

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, चंदन का संबंध चंद्रमा और शुक्र ग्रह से है। चंदन का तेल चढ़ाने से कुंडली में इन ग्रहों की स्थिति मजबूत होती है, जिससे जीवन में सुख-समृद्धि आती है और मानसिक शांति मिलती है। इसलिए आप सावन के महीने में शिवलिंग पर चंदन का तेल चढ़ाने से उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है।

शिवलिंग पर चढ़ाएं सरसो का तेल

आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए भी सावन में सरसों का तेल अर्पित करना अत्यंत शुभ फलदायी माना जाता है। धन-धान्य में वृद्धि के लिए यह एक प्रभावी उपाय है। जो लोग कर्ज में डूबे हुए हैं या आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं, उन्हें नियमित रूप से शिवजी पर सरसों का तेल चढ़ाना चाहिए। इससे धन लाभ के नए मार्ग खुलते हैं और धीरे-धीरे आर्थिक स्थिति सुधरने लगती है। अगर घर में लगातार क्लेश रहता है या परिवार के सदस्यों के बीच सामंजस्य की कमी है, तो सावन में शिवलिंग पर सरसों का तेल चढ़ाने से गृह क्लेश दूर होता है और परिवार में सुख-शांति आती है।

10 तरह के होते हैं शिवलिंग, सबकी अलग तरह से होती है पूजा और मिलता है अलग फल

सावन का महीना भगवान शिव का महीना होता है। इस महीने में भगवान शिव की पूजा अराधना कर उनके भक्त उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश करते हैं। इतना ही नहीं बहुत सारे भक्त जब तक सावन का महीना चालता है तब तक वह रोज शिवलिंग की पूजा करते हैं और उस पर बेल पत्र आदि चढ़ाते हैं।

ऐसी मान्यता है कि सावन के पवित्र महीने में भगवान शिव की पूजा, व्रत और शिवलिंग पर जल व बेल पत्र चढ़ाने से भक्तों की मनोकामना पूरी होती है। मगर, क्या आपको पता है कि किस शिवलिंग की पूजा कैसे करनी चाहिए। जी हां, आप सही समझ रही हैं। शिवलिंग के कई प्रकार होते हैं। हर शिवलिंग अलग तरह का फल देता है और उसकी पूजा का तरीका क्या होता है। आपको बता दें कि शिव पुराण में 10 तरह के शिवलिंग बताए गए हैं।

पारद शिवलिंग

अगर आप सावन के महीने में रुद्राभिषेक करवाना चाहती हैं तो आपको पारद शिवलिंग का अभिषेक करवाना चाहिए। अगर आप पारद शिवलिंग का रुद्राभिषेक करवाती हैं तो आपके जीवन में हमेशा सुखशांति बनी रहेगी। इतना ही नहीं महिलाएं अगर इस शिवलिंग की पूजा करती हैं तो उनको सौभाग्य प्राप्त होगा। आपको बता दें कि यह शिवलिंग बेहद छोटे होते हैं और आप इन्हें अपने घर, ऑफिस, दुकान में रख सकती हैं। इस शिवलिंग को स्थापित करने से पहले इसकी पूजा जरूर करें।

मिश्री शिवलिंग

चीनी या मिश्री से बने शिवलिंग को मिश्री शिवलिंग कहा जाता है। अगर आपके घर में किसी की तबियत खराब है तो आपको रोजाना मिश्री से बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे रोगी का रोग दूर होता है।

जौं और चावल के शिवलिंग

अगर आप चाहती हैं कि आपके घर में समृद्धि आए तो आपको इसके लिए जौं और चावल से बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। अगर आप बहुत समय से संतान के लिए प्रयास कर रही हैं तब भी आपको जौं और चावल से बनें शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।

भस्म शिवलिंग

उज्जैन में बने महाकालेश्वर मंदिर में जो शिवलिंग है उसकी भस्म आरती फेमस है। मगर यज्ञ की भस्म से बनी शिवलिंगं की भी पूजा होती है। यह शिवलिंग अधिकतर अघोरी बाबा लोग सिद्धियों को प्राप्त करने के लिए बनाते हैं। घर में भस्म से बने शिवलिंग की पूजा कभी भी नहीं करनी चाहिए।

गुड़ के शिवलिंग

जैसे चीनी के शिवलिंग होते हैं वैसे ही गुड़ और अन्न को मिला कर भी शिवलिंग बनाए जाते हैं। अगर आप चाहती हैं कि आपके घर में कभी अन्न की कमी न हो या आपके खेत में खूब अन्न उपजे तो आपको हमेशा गुड़ और अन्न के बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।

फल और फूल के बने शिवलिंग

फल और फूल से भी शिवलिंग बनाए जा सकते हैं। अगर आपको प्रॉपर्टी से जुड़ी कोई समस्या सता रही है तो आपको फल और फूल से बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे आपकी प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्या दूर हो जाएगी।

सोने या चांदी के शिवलिंग

वैसे ऐसा कम ही देखा गया है कि कोई सोनी या चांदी क बने शिवलिंग पूजा करता हो। मगर आपको अपने घर में वैभव चाहिए तो आपको सोने और चांदी के शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।

मिट्टी के शिवलिंग

अगर आप किसी ऐसे स्थान पर रहती हैं या आपकी कुंडली में किसी विषैले जानवर के काटने का दोष है तो आपको मिट्टी के शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे आप भय मुक्त होंगी।

दही के शिवलिंग

सुनकर आपको आश्चर्य हो रहा होगा मगर दही के शिवलिंग भी बन जाते हैं। इसके लिए दही को कपड़े में बांध कर आपको रखना होगा और फिर उसके शिवलिंग बनाने होंगे इससे आपको धन की प्राप्ति होगी।

लहसुनिया शिवलिंग

अगर आपका कोई शत्रु है और वह आपको परेशान कर रहा है तो उसे नष्ट करने के लिए आप लहसुनिया शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे आपकी सारी मनोकामना पूरी होती हैं।

पुत्रदा एकादशी पर चावल खाने से लेकर तुलसी तोड़ने तक, ये 5 काम हैं सख्त मना!

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व है. सावन मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली एकादशी को पुत्रदा एकादशी कहा जाता है. शास्त्रों में व्रत के दौरान कुछ जरूरी नियमों का पालन करने की सलाह भी दी गई है.

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व माना जाता है. साल में आने वाली 24 एकादशियों में से पुत्रदा एकादशी भी महत्वपूर्ण मानी जाती है.सावन महीने के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली एकादशी को सावन पुत्रदा एकादशी कहा जाता है. पंचांग के अनुसार सावन शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 23 अगस्त 2026 को सुबह 2 बजे शुरू होगी और 24 अगस्त को सुबह 4:18 बजे समाप्त होगी. उदया तिथि के अनुसार पुत्रदा एकादशी का व्रत 23 अगस्त को रखा जाएगा. इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने और व्रत रखने की परंपरा है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, एकादशी के दिन कुछ कामों को करने से बचना चाहिए. आइए जानते हैं वे 5 काम कौन से हैं.

पुत्रदा एकादशी पर चावल क्यों नहीं खाते?

एकादशी के दिन चावल खाने की मनाही बताई गई है. धार्मिक मान्यता के अनुसार एकादशी तिथि पर चावल का सेवन नहीं करना चाहिए. यही वजह है कि व्रत रखने वाले लोग तो चावल से पूरी तरह परहेज करते ही हैं, लेकिन जो लोग व्रत नहीं रखते, उन्हें भी इस दिन चावल न खाने की सलाह दी जाती है.

तुलसी के पत्ते न तोड़ें

एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा में तुलसी का विशेष महत्व माना जाता है .लेकिन धार्मिक मान्यता के अनुसार एकादशी तिथि पर तुलसी के पत्ते तोड़ने से बचना चाहिए. अगर पूजा के लिए तुलसी की आवश्यकता हो तो एक दिन पहले ही तुलसी के पत्ते तोड़कर रख लें. तुलसी का पौधा भगवान विष्णु को प्रिय माना जाता है, इसलिए एकादशी के दिन तुलसी के प्रति विशेष श्रद्धा रखने की परंपरा है.

बाल और नाखून काटने से बचें

पुत्रदा एकादशी के दिन बाल और नाखून काटना भी वर्जित माना जाता है.धार्मिक मान्यताओं में एकादशी को पूजा-पाठ और आत्मसंयम का दिन माना गया है. इसलिए इस दिन शरीर से जुड़े ऐसे कामों को टालने की परंपरा है. अगर बाल या नाखून काटने की जरूरत हो तो इसे एकादशी से पहले या बाद में किया जा सकता है.

जीव हत्या या किसी जीव को नुकसान न पहुंचाएं

एकादशी के दिन किसी भी जीव को नुकसान पहुंचाना या जीव हत्या करना धार्मिक दृष्टि से गलत माना जाता है. इस दिन अहिंसा का पालन करने और सभी जीवों के प्रति दया भाव रखने की सलाह दी जाती है.

किसी भी तरह की बुराई और गलत काम से बचें

एकादशी के दिन केवल खान-पान के नियमों का ही नहीं, बल्कि व्यवहार और विचारों में भी संयम रखने की बात कही गई है. इसलिए झूठ बोलना, किसी का अपमान करना, विवाद करना, छल-कपट करना या किसी को नुकसान पहुंचाने जैसी गतिविधियों से बचना चाहिए.धार्मिक मान्यता के अनुसार एकादशी व्रत का उद्देश्य केवल भोजन छोड़ना नहीं, बल्कि मन, वाणी और कर्मों पर संयम रखना भी है.

पुत्रदा एकादशी का धार्मिक महत्व

पुत्रदा एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को समर्पित माना जाता है. धार्मिक मान्यता के अनुसार इस व्रत को करने से संतान सुख की कामना पूरी होने और परिवार में सुख-समृद्धि आने का आशीर्वाद मिलता है.

पुत्रदा एकादशी कब है? तिथि, पूजा मुहूर्त और महत्व

श्रावण पुत्रदा एकादशी भगवान विष्णु को समर्पित महत्वपूर्ण व्रतों में से एक है। इस दिन विधि-विधान से पूजा और व्रत करने से सुख-समृद्धि और संतान सुख की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं इसकी सही तारीख, पूजा का शुभ मुहूर्त और धार्मिक महत्व। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को श्रावण पुत्रदा एकादशी या पवित्रा एकादशी के नाम से जाना जाता है। हिंदू धर्म में इस एकादशी का विशेष धार्मिक महत्व बताया गया है। मान्यता है कि इस दिन व्रत रखकर भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करने से संतान सुख, संतान के उत्तम स्वास्थ्य और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना पूरी हो सकती है। इस साल श्रावण पुत्रदा एकादशी का व्रत 23 अगस्त, रविवार को रखा जाएगा। माना जाता है कि इस पवित्र तिथि पर सच्ची श्रद्धा और नियमपूर्वक व्रत-पूजन करने से भगवान श्रीहरि विष्णु की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही, परिवार में सुख-शांति बनी रहती है और मन को भी सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। आइए जानते हैं इस एकादशी की सही तिथि, पूजा का शुभ मुहूर्त और इसके धार्मिक महत्व के बारे में।

एकादशी तिथि और विष्णु पूजा का शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, श्रावण पुत्रदा एकादशी 23 अगस्त 2026, रविवार को मनाई जाएगी। एकादशी तिथि 23 अगस्त को रात 2:00 बजे से शुरू होकर 24 अगस्त को सुबह 4:18 बजे तक रहेगी। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा के लिए शुभ समय सुबह 7:32 बजे से दोपहर 12:24 बजे तक बताया गया है। भक्त इस अवधि में स्नान आदि से निवृत्त होकर भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा कर सकते हैं। धार्मिक मान्यता है कि एकादशी के दिन श्रद्धापूर्वक श्रीहरि का स्मरण और पूजन करने से मन को शांति मिलती है और परिवार में सकारात्मक वातावरण बना रहता है।

श्रावण पुत्रदा एकादशी का धार्मिक महत्व

श्रावण पुत्रदा एकादशी को संतान सुख और परिवार की खुशहाली के लिए विशेष फलदायी माना जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, पद्म पुराण में इस एकादशी से जुड़ी कथा का वर्णन मिलता है। कहा जाता है कि प्राचीन समय में राजा महीजित और राजा सुकेतुमान ने ऋषियों की सलाह पर इस व्रत का पालन किया था। भगवान विष्णु की भक्ति और एकादशी व्रत के प्रभाव से उन्हें योग्य और यशस्वी संतान का सुख प्राप्त हुआ। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस एकादशी का व्रत करने से संतान की उन्नति, सुख-समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना पूरी होती है। साथ ही, भगवान श्रीहरि विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने से घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। ऐसा भी माना जाता है कि श्रद्धा और नियम के साथ इस व्रत का पालन करने से व्यक्ति को अपने पुराने कर्मों के नकारात्मक प्रभाव से मुक्ति मिलती है और जीवन की परेशानियां कम होने लगती हैं।

पुत्रदा एकादशी व्रत की पूजा विधि

- सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करके व्रत का संकल्प लें।
- घर के पूजा स्थान की अच्छी तरह सफाई करने के बाद एक चौकी पर भगवान विष्णु की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें।
- भगवान विष्णु के सामने दीपक और धूप जलाएं और उन्हें फूल, माला आदि अर्पित करें।
- पूजा में रोली, कुमकुम, नैवेद्य सहित अपनी श्रद्धा के अनुसार पूजन सामग्री चढ़ाएं।
- भगवान विष्णु को तुलसी दल जरूर अर्पित करें, क्योंकि विष्णु पूजा में तुलसी का विशेष महत्व माना जाता है।
- इसके बाद पुत्रदा एकादशी की व्रत कथा का पाठ या श्रवण करें और भगवान विष्णु के मंत्रों का जाप करें।
- पूजा के अंत में भगवान विष्णु की आरती करें और परिवार की सुख-समृद्धि व संतान के कल्याण की प्रार्थना करें।

चोटिल हुए कार्तिक आर्यन? कबीर खान की अगली फिल्म के लिए कर रहे थे शूटिंग

कबीर खान के निर्देशन में बन रही फिल्म में शूटिंग के दौरान कार्तिक आर्यन के घुटने में चोट लग गई। फिल्म की शूटिंग का आखिरी दौर चल रहा था और अहम एक्शन सीन आखिरी दो दिनों के लिए रखे गए थे, इसी दौरान कार्तिक को चोट लगी। कार्तिक आर्यन जिस फिल्म के लिए शूटिंग कर रहे थे, वह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है। अभी इसका नाम तय नहीं किया गया है।

मुंबई में शूटिंग कर रहे कार्तिक को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। एक्टर के घुटने की सर्जरी भी एक-दो दिन में होगी, जिसके बाद ठीक होने के लिए उन्हें कुछ दिन आराम करना होगा। वह कबीर की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म की शूटिंग पूरी करने के करीब हैं। ठीक होते ही उन्हें अपने दूसरे काम भी पूरे करने होंगे।

कब होगी सर्जरी?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कार्तिक फिल्म में खास सीन की तैयारी के लिए एक्शन कोच के साथ कड़ी ट्रेनिंग कर रहे थे। हालांकि, शूटिंग के दौरान उनके घुटने में गंभीर चोट लग गई और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने इंडिया टुडे को बताया, 'कार्तिक को अब फोर्टिस रहेजा अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टर एक दिन में उनके घुटने की सर्जरी करेंगे, जिसके बाद उन्हें कुछ दिन आराम करना होगा। इसके बाद वे अपने काम पर लौट सकेंगे।'

फिर कबीर के साथ आए आर्यन

उम्मीद है कि सर्जरी के बाद कार्तिक ठीक होने पर ध्यान देने के लिए थोड़ा ब्रेक लेंगे। फिर वह काम पर लौटेंगे। आपको बता दें कि कार्तिक आर्यन, कबीर खान के साथ दूसरी फिल्म में काम कर रहे हैं। इसका नाम अभी तय नहीं है। इससे पहले वह फिल्म 'चंदू चैंपियन' में साथ काम कर चुके हैं। एक्टर, जिन्होंने हाल ही में 'चंदू चैंपियन' में अपनी परफॉर्मेंस के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीता है, ने फिल्म प्रोडक्शन में भी कदम रखा है।

फिल्मों ने सिखाया अनजान चीजों से डरना नहीं प्यार करना जरूरी

अभिनेत्री कियारा आडवाणी बहुप्रतिक्षित भारतीय एक्शन-ड्रामा फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में एक परतदार और बोल्ड सर्कस कलाकार का किरदार निभा रही हैं। बुधवार को अभिनेत्री ने अभिनय की दुनिया के अनुभव के बारे में बताया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की मेकिंग के दौरान की अपनी एक दिलचस्प तस्वीर शेयर की। तस्वीर में, एक्ट्रेस पानी से भरे एक बड़े, ट्रांसपेरेंट, कटोरे जैसे टैंक के अंदर आराम करती दिख रही हैं। अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि फिल्म ने उन्हें उनके कम्फर्ट जोन से बाहर निकाला और अनजान चीजों को अपनाना और रास्ते में नई स्किल्स सीखना सिखाया। अभिनेत्री ने लिखा, 'फिल्में हमें ऐसी दुनिया में ले जाती हैं, जिसे हम कभी जानते ही नहीं, कभी-कभी तो सचमुच हर नया किरदार, नया सेट और क्रेजी चैलेंज आपको कुछ ऐसा सिखाता है, जिसके बारे में आपको पता नहीं होता है कि आप इसके काबिल भी हैं कि नहीं।'

अभिनेत्री ने बताया कि फिल्मों ने उन्हें काफी सारी बातें सिखाई हैं। उन्होंने लिखा, 'फिल्मों ने मुझे अनजान चीजों के साथ कम्फर्टेबल, वल्नरेबल, सीखते रहना और इन सबके एडवेंचर में खुशी ढूंढना सिखाया। क्योंकि मेरे लिए, ग्रोथ हमेशा उन चीजों के लिए हाँ कहने के बारे में रही है जो आपको थोड़ा डराती हैं और उसके बाद के सफ़र को पसंद करने के बारे में।' उन्होंने आगे लिखा, 'यह नई स्किल्स, नए एडवेंचर और उस तरह के पैशन के लिए है जो आपको बार-बार इसमें कूदने के लिए तैयार रखता है।'

अभिनेत्री कियारा आडवाणी आगामी पैन-इंडिया गैंगस्टर फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोवन-अप्स' में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी, जहां वह 'नादिया' नाम की एक सर्कस परफॉर्मर का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म में उनकी जोड़ी सुपरस्टार यश के साथ है। फिल्म के टीजर और गाने पहले ही रिलीज कर दिए जा चुके हैं, जिसमें अभिनेत्री यश के साथ कुछ बोल्ड और इंटिमेट सीन्स में नजर आईं, जो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहे हैं। हालांकि, इस बीच फिल्म की पूरी टीम कियारा के साथ नजर आई। वहीं, कियारा का मानना है कि यह बोल्ड और मजबूत किरदार उनके अभिनय करियर का एक बड़ा टर्निंग प्वाइंट साबित हो सकता है। गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित फिल्म में यश (डबल रोल - राया और रूमी), कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसे कलाकार नजर आएंगे।

दिशा पाटनी बनीं आवारापन 2 की पहली पसंद

निर्माता ने बताई कास्टिंग की कहानी

अगर हाल के दिनों में सिनेमाघरों में किसी फिल्म ने सबसे ज्यादा हलचल मचाई है, तो वह 'आवारापन 2' है। पहली बार इमरान हाशमी और दिशा पाटनी की जोड़ी को एक रोमांटिक ड्रामा में साथ लाने वाली यह फिल्म अपनी शानदार कहानी के साथ-साथ दोनों कलाकारों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के लिए भी चर्चा में है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इसी बीच निर्माता विशेष भट्ट ने बताया कि उन्होंने दिशा पाटनी को फिल्म की मुख्य अभिनेत्री के तौर पर क्यों चुना। उन्होंने कहा कि दिशा का अब तक का सफर उन्हें इस किरदार के लिए बिल्कुल सही बनाता था।

विशेष भट्ट कहते हैं, 'इमरान और दिशा को स्क्रीन पर साथ देखना दिलचस्प है, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि इससे पहले दोनों को एक साथ देखा गया है। दिशा का अपना एक अच्छा काम है। मैंने उन्हें मोहित के साथ 'मलंग' में देखा है। मैं उनसे 2012 या 2013 में मिला था, जब उन्होंने अभी शुरुआत ही की थी।' दिशा पाटनी के बारे में विशेष भट्ट का मानना है कि उनमें उनकी खूबसूरती से कहीं ज्यादा है। वह कहते हैं, 'पिछले कुछ सालों में मुझे हमेशा लगा है कि उनका चेहरा बहुत आकर्षक है और उनकी अपनी एक खास पर्सनैलिटी है। वह जैसी हैं और हमें इस किरदार के लिए जैसी जरूरत थी, जिस तरह से यह किरदार फिल्म में आगे बढ़ता है, उसके हिसाब से वह इस भूमिका के लिए बिल्कुल सही लग रही थीं। यह एक बहुत ही मॉडर्न और आज के समय से जुड़ा हुआ किरदार है, जो दूसरे देश में रह रहा है। यह किरदार श्रीया सरन जैसा नहीं है। दोनों के बीच जानबूझकर एक अलग तरह का कॉन्ट्रास्ट रखा गया है।' कहीं न कहीं, दिशा पाटनी को फिल्म में लेने का फैसला 'आवारापन 2' के लिए फायदेमंद साबित हुआ है। इससे न सिर्फ फिल्म की विरासत को बनाए रखने में मदद मिली, बल्कि दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरने में भी मदद मिली। इस साल 'ओ' रोमियो' और 'वेलकम टू द जंगल' जैसी फिल्मों के बाद दिशा पाटनी एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर लकी साबित हुई हैं और फिल्म की कमर्शियल सफलता में उनकी अहम भूमिका नजर आ रही है।

कच्चा बादाम फेम गर्ल अंजलि अरोड़ा का एक्टिंग डेब्यू, फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' में निभाएंगी अहम भूमिका

इन दिनों राम कथा पर कई फिल्में बन रही हैं। नमित मल्होत्रा प्रोड्यूस और नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' खूब चर्चा में है। इसी बीच एक और फिल्म राम कथा पर बन रही है। इस फिल्म का नाम 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' है। इस फिल्म के जरिए अंजलि अरोड़ा अपना एक्टिंग डेब्यू भी रही हैं। फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' के टीजर में राम और सीता विवाह, वनवास यात्रा और रावण की झलक भी मिली है। इस फिल्म में अंजलि अरोड़ा माता सीता के रूप में नजर आएंगी। वहीं देव शर्मा भगवान राम का किरदार निभाएंगे। महोबिया फिल्म्स के प्रोडक्शन तले बनी इस फिल्म को प्रकाश महोबिया और संजय बुदेला ने प्रोड्यूस किया है। अजय कनौजिया की कंपनी एजे फिल्म एंटरटेनमेंट वर्ल्ड ने इसे पेश किया है। इसके डायरेक्टर अभिषेक सिंह हैं। यह फिल्म हिंदी के अलावा छत्तीसगढ़ी भाषा में भी रिलीज होगी।

राजपाल यादव की नई फिल्म में दिखेगा बिल्कुल अलग अंदाज

राजपाल यादव का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म में दर्शकों को उनका बिल्कुल अलग अंदाज देखने को मिलेगा। उन्होंने बताया कि फिल्म उनके लिए एक खास सफर जैसी है, जिसे उन्होंने पिछले कई दशकों में नहीं किया है। बातचीत में राजपाल यादव ने फिल्म के बारे में बात करते हुए बताया कि 'द किंग ऑफ वंडरफुल वर्ल्ड' जिंदगी पर आधारित 12 चैप्टर्स की एक कहानी है। इस प्रोजेक्ट पर उनकी टीम काफी लंबे समय से काम कर रही है। फिल्म पर काम कोविड-19 महामारी से पहले ही शुरू हो गया था। राजपाल यादव ने बताया कि जब उन्हें फिल्म का प्रपोजल मिला तो टीम ने इसे भारतीय संस्कृति से जोड़ने का फैसला किया। उन्होंने साफ कहा कि फिल्म में किसी दूसरी फिल्म के सीन की कॉपी नहीं होगी। एक्टर ने कहा कि यह प्रोजेक्ट पूरी तरह से अपनी कहानी और भारतीय संस्कृति पर आधारित होगा।

राजपाल यादव ने फिल्म की कहानी को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं दी है। हालांकि, उन्होंने बताया कि दिवाली से पहले फिल्म का पोस्टर लॉन्च किया जाएगा। फिल्म की शूटिंग भारत में होगी। इसका सेट मुंबई के गोरेगांव में तैयार किया जाएगा, लेकिन राजपाल यादव चाहते हैं कि फिल्म की शूटिंग उत्तराखंड में भी हो। इसके लिए उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री से शूटिंग के लिए जगह देने की अपील की है। राजपाल यादव के मुताबिक, फिल्म के 12 चैप्टर्स में दर्शकों को उनके करियर का एक ऐसा सफर देखने को मिलेगा, जो उन्होंने पिछले 40 साल में नहीं किया है।

ये फिल्में भी हैं पाइपलाइन में

वर्कफ्रंट की बात करें तो राजपाल यादव को हाल ही में 'वेलकम टू द जंगल' में देखा गया था। इसके अलावा उनके पास 'मालामाल वीकली 2' भी है। अब 'द किंग ऑफ वंडरफुल वर्ल्ड' में उनका नया अंदाज देखने के लिए फैंस काफी उत्साहित हैं।

कपिल के शो के कारण एक्टिंग नहीं कर पाई कलाकार के रूप में मेरे साथ ज्यादती हुई

छोटे पर्दे पर लाफ्टर क्वीन के रूप में मशहूर अर्चना पूरन सिंह ने पिछले दिनों फिल्म 'टीस्टर' की अजीबोगरीबी भूमिका निभाई थी, जिसमें खूब सराही गईं। इन दिनों वह वेब सीरीज 'आदर्श बाल विद्यालय' के सेंट्रल रोल से चर्चा में हैं। चार दशकों से भी ज्यादा का समय इंडस्ट्री में बिता चुकी अर्चना कई सालों से कपिल शर्मा के लाफ्टर शो का अभिन्न हिस्सा बन चुकी हैं।

मेरे साथ बहुत ज्यादती हुई

करियर की शुरुआत में अर्चना टेलीविजन पर कई मशहूर शो में अहम भूमिकाओं में दिखीं। उन्होंने 'राजा हिंदुस्तानी', 'कुछ कुछ होता है' जैसी कई फिल्मों में भी काम किया, मगर फिर कपिल शर्मा के शो ने जहां एक ओर उन्हें लाफ्टर क्वीन का खिताब दिलाया, वहीं उस शो के कारण वे कहीं न कहीं बंध-सी गईं और कई बार उन्हें अच्छे रोल्स से भी हाथ धोना पड़ा। वह कहती हैं, 'आप कुछ पाते हैं और कुछ खोते हैं। एक तरफ मैं कपिल के शो में इतना बिजी और विजिबल थी और दूसरी तरफ मैं बाहर काम नहीं कर पा रही थी। हालांकि रोल्स मिल रहे थे, मगर जिस किस्म का काम मैं चाह रही थी, वो नहीं मिल रहा था। शो से मुझे काफी लोकप्रियता मिली, मगर मैं अभिनय करना चाहती थी, तो एक कलाकार के रूप में मुझे लगा कि मेरे साथ काफी ज्यादती हुई। अब क्या कहूं, कई डायरेक्टर-प्रोड्यूसर्स कॉल करके बुलाते, मगर मैं अपनी डेट्स मैच नहीं कर पाती थी। अब जैसे वाशु भगनानी जी ने फोन करके रोल ऑफर किया और मुझसे स्कॉटलैंड के शेड्यूल के लिए 25 दिन मांगे, मगर यहां कपिल शो के लिए मुझे हफ्ते में दो बार शूटिंग करनी होती थी, तो मैं कर नहीं पाई। ऐसा कई बार हुआ। अब शो में मेरे एपिसोड कम हो गए हैं, इसलिए मुझे दूसरे तरह के किरदार निभाने का मौका मिल रहा है, जो एक अभिनेत्री होने के नाते मेरे लिए बहुत जरूरी है। 'टीस्टर' मेरे लिए ऐसा ही एक शानदार अवसर था।'

बेटों को अपने फैसले लेने की आजादी दी

सभी जानते हैं कि असल जिंदगी में अर्चना पूरन सिंह आर्यमान और आयुष्मान जैसे दो बेटों के मां हैं। उनकी सीरीज एजुकेशन सिस्टम पर है, तो हमने उनसे जानना चाहा कि पढ़ाई -लिखाई और पैरेंटिंग के मामले में वे किस तरह की मां रहीं, क्योंकि आम तौर पर कई माता-पिता अपने बच्चों पर काफी दबाव बनाते हैं। इस पर अर्चना बोलीं, 'मैंने हमेशा अपने बच्चों को अपनी पसंद चुनने की आजादी दी। मेरा छोटा बेटा जब स्कूल बदल कर जमनाबाई से सिंगापुर इंटरनेशनल स्कूल जाना चाहता था, हमने उसे रोका नहीं। बड़ा बेटा फुटबॉल के लिए लंदन जाना चाहता था, तो हमने उसका भी साथ दिया। मैंने बेटों से यही कहा कि अगर कोई एक्टर बनना चाहता है तो उसे एक्टिंग सीखनी होगी। हमारे घर में हर मुद्दे पर हमेशा खुलकर बातचीत होती है और अंतिम फैसला बच्चों का ही होता है। मैं हमेशा कहती हूं कि कागज पर किसी फैसले के फायदे और नुकसान लिखो, फिर खुद समझ आ जाएगा कि क्या सही है क्या गलत? मुझे लगता है कि माता-पिता प्यार में बच्चों पर दबाव डालते हैं, लेकिन कई बार वही प्यार बच्चों पर नकारात्मक असर भी डालता है।'

टीचर ने दस बेंत मारी थी

सरकारी स्कूल की दुर्दशा पर आधारित 'आदर्श बाल विद्यालय' में काम करके अर्चना काफी खुश हैं। वह अपने स्कूल की यादों को ताजा करते हुए कहती हैं, 'मुझे स्कूल जाना बहुत अच्छा लगता था। उस समय लगता था कि बड़े होकर ज्यादा आजादी मिलेगी, लेकिन अब महसूस होता है कि स्कूल के दिन ही सबसे खूबसूरत थे। हर दिन कुछ नया होता था, कभी टेस्ट, कभी गेम्स, कभी आर्ट प्रतियोगिता। एक स्टूडेंट की जिंदगी जीना अपने आप में सबसे अच्छा दौर था। स्कूल में मुझे अपनी पनिशमेंट भी याद है। मुझे पहली कक्षा में हमारी हेड नन ने दस बेंत मारी थीं। आज तक याद है कितना दर्द हुआ था। उसके बाद हमारे स्कूल में शारीरिक सजा बहुत कम होती थी। कभी ज्यादा शरारत की तो टीचर चॉक का टुकड़ा फेंक देते थे, लेकिन पहली क्लास को वो दस बेंत की मार आज भी याद है।'

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने योजना की प्रक्रिया, ऋण, सब्सिडी व बिलिंग की दी विस्तृत जानकारी

जिले में 5 हजार 36 सौर संयंत्र स्थापित, 3 हजार 575 हितग्राहियों को मिली सब्सिडी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले के छुरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम केशोटोला में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सूर्य सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर जितेन्द्र यादव, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दुर्गा प्रसाद अधिकारी, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव एवं सामाजिक कार्यकर्ता फूलबासन बाई सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

कलेक्टर यादव ने ग्रामीणों को प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए अधिक से अधिक परिवारों से अपने घरों में सौर पैनल स्थापित कराने की अपील की। उन्होंने योजना के अंतर्गत पंजीयन की प्रक्रिया, वेंडर चयन, बैंक ऋण की प्रक्रिया, केंद्र एवं राज्य शासन से मिलने वाली सब्सिडी तथा सौर संयंत्र स्थापना के बाद बिजली बिल की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कलेक्टर ने ग्रामीणों को बताया कि सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने से परिवारों के मासिक बिजली खर्च में उल्लेखनीय कमी आती है और पर्याप्त विद्युत उत्पादन होने पर बिजली बिल शून्य तक हो सकता है। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ लेने के इच्छुक हितग्राहियों को पंजीयन से लेकर ऋण एवं स्थापना तक आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव एवं सामाजिक कार्यकर्ता फूलबासन यादव ने भी ग्रामीणों से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने तथा अधिक से अधिक घरों में सौर पैनल लगवाने की अपील की। उन्होंने सौर ऊर्जा को परिवारों के लिए आर्थिक बचत के साथ स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

कलेक्टर ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत वेंडर के रूप में पंजीकृत सोलर दीदी धनेश्वरी मंडावी से भी चर्चा की तथा उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने मंडावी को अधिक से अधिक हितग्राहियों को योजना से जोड़ ? और सौर संयंत्र स्थापित कराने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने संबंधित बैंक एवं विभागीय अधिकारियों को सोलर दीदी को आवश्यक सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिए, ताकि पंजीयन, ऋण प्रक्रिया एवं संयंत्र स्थापना के कार्यों में अनावश्यक विलंब न हो।

सूर्य सभा में विद्युत विभाग एवं बैंक के अधिकारी भी उपस्थित थे। ग्रामीणों द्वारा योजना, ऋण प्रक्रिया, बिजली बिल, सौर संयंत्र स्थापना एवं अन्य विषयों को लेकर पूछे गए प्रश्नों का अधिकारियों ने मौके पर ही समाधान किया तथा उनकी शंकाओं एवं जिज्ञासाओं का निराकरण किया। इससे ग्रामीणों को योजना की प्रक्रिया एवं लाभों को बेहतर ढंग से समझने में सहायता मिली। सूर्य सभा के दौरान जिले में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की अद्यतन प्रगति की जानकारी भी साझा की गई। जिले में अब तक 10 हजार 698 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें 10 हजार 477 हितग्राहियों द्वारा वेंडर चयन किया जा चुका है। अब तक 5 हजार 36 घरों में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं तथा 3 हजार 575 हितग्राहियों को सब्सिडी का भुगतान किया जा चुका है।

कलेक्टर यादव ने संबंधित अधिकारियों, बैंकों एवं वेंडरों को आपसी समन्वय के साथ लंबित प्रकरणों में तेजी लाने तथा पात्र हितग्राहियों को शीघ्र योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीणों से भी आगे आकर योजना का लाभ लेने और अन्य लोगों को इसके लिए प्रेरित करने की अपील की।

खास खबर

नांदगांव प्रेस क्लब की नई कार्यकारिणी घोषित, प्रदीप वरिष्ठ उपाध्यक्ष, विक्रम-दीपांकर और सूरज को भी मिली जिम्मेदारी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राजनांदगांव प्रेस क्लब की बहुप्रतिक्षित नई कार्यकारिणी की आधिकारिक घोषणा मंगलवार को कर दी गई। संरक्षक मंडल के अनुमोदन और पदाधिकारियों की सहमति के बाद कार्यकारिणी के नाम जारी किए गए। नई कार्यकारिणी में वरिष्ठ और युवा पत्रकारों के तालमेल पर विशेष जोर दिया गया है। प्रेस क्लब भवन में हुई बैठक में संरक्षक मंडल के वरिष्ठ सदस्य सुशील कोठारी, श्याम खंडेलवाल, सूरज बुद्धदेव, सीएल जैन, अशोक पांडे, पुरुषोत्तम तिवारी और जितेंद्र मिश्रा उपस्थित रहे। अध्यक्ष सचिन अग्रहरि, हाउसिंग बोर्ड समिति चेयरमैन मिथलेश देवांगन, सचिव अनिल त्रिपाठी और कोषाध्यक्ष बसंत शर्मा की सहमति से कार्यकारिणी को अंतिम रूप दिया गया।

नई कार्यकारिणी में ये बने पदाधिकारी

वरिष्ठ उपाध्यक्ष: प्रदीप मेश्राम, उपाध्यक्ष: अनुपम ठाकुर, विक्रम बाजपेयी, संगठन सचिव: दीपांकर खोब्रागड़े, ऋषि सिन्हा, सह-सचिव: अजय सोनी, प्रमोद शेंडे, रूपेश गुप्ता, खेल प्रभारी: सूरज यदु, योगेश शर्मा, साहित्य प्रभारी: डॉ. सूर्यकांत मिश्रा, आत्माराम कोशा, प्रचार-प्रसार प्रभारी: दीपक साहू, लोकेश शर्मा, सांस्कृतिक प्रभारी: गोविंद साहू, शुभम उपाध्याय, विधि सलाहकार: विमल हाजरा, मनीष तिवारी, कार्यकारिणी में अशोक श्रीवास्तव, उमाशंकर शर्मा, महेंद्र सोनी, प्रशांत ईमलकर, रवि ठाकुर, अखिलेश खोबरागड़े, लता घोषाल, संतोष दुबे, ललित ठाकुर और अमित चटर्जी को भी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

गतिविधियों पर होगा फोकस

बैठक में नई कार्यकारिणी के गठन के साथ-साथ नए सदस्यों को प्रेस क्लब में शामिल करने का अनुमोदन भी किया गया। साथ ही "प्रेस क्लब से मिलिये" कार्यक्रम, संगोष्ठी आयोजन और अन्य गतिविधियों को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। प्रेस क्लब अध्यक्ष सचिन अग्रहरि ने कहा कि नई कार्यकारिणी प्रेस क्लब की गतिविधियों को गति देने के साथ पत्रकार हितों के लिए काम करेंगे।

कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त शिकायत पर घास मद की शासकीय भूमि से हटाया गया अतिक्रमण

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निदेशानुसार जिले में शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में आज डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम सेम्हरा में राजस्व विभाग की टीम ने घास मद की शासकीय भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया। कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त शिकायत के आधार पर राजस्व विभाग द्वारा ग्राम सेम्हरा स्थित खसरा नंबर 449 की भूमि का जांच एवं स्थल निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान उक्त घास मद की शासकीय भूमि पर चुरामन पिता मनबोध द्वारा अतिक्रमण किया जाना पाया गया। इसके बाद अतिरिक्त तहसीलदार सोनिल मेरिया के नेतृत्व में राजस्व अमले द्वारा मौके पर पहुंचकर नियमानुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई तथा शासकीय भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया गया। जिला प्रशासन ने कहा कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए नियमानुसार कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

कलेक्टर ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के हितग्राही के घर सौर संयंत्र का किया निरीक्षण

सीईओ जिला पंचायत ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति का किया अवलोकन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने छुरिया विकासखंड के ग्राम कल्लूबंजारी निवासी खिलेश पटेल के घर पर प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत स्थापित 3 किलोवाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सौर संयंत्र की स्थापना, बिजली उत्पादन, प्राप्त सब्सिडी तथा बिजली बिल में हुई बचत के संबंध में हितग्राही से जानकारी ली।

खिलेश पटेल ने बताया कि उनके घर में लगभग तीन माह पूर्व 3 किलोवाट का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है। सौर संयंत्र स्थापना के लिए उन्हें केंद्र एवं राज्य शासन की ओर से कुल 1 लाख 8 हजार रूपए की सब्सिडी प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने बताया कि सौर संयंत्र लगने से पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल लगभग 1500 रूपए से 2 हजार रूपए तक आता था, जो अब शून्य हो गया है। उन्होंने योजना से बिजली खर्च में हुई बचत पर प्रसन्नता व्यक्त की।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से प्राप्त लाभ की सराहना करते हुए पटेल को ऊर्जा दूत के रूप में अपनी सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वे अपने अनुभव एवं योजना से हुए लाभ की जानकारी गांव के अन्य लोगों के साथ साझा करें तथा अधिक से अधिक ग्रामीणों को अपने घरों में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कराने के लिए प्रेरित करें। कलेक्टर ने कहा कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से परिवारों को बिजली बिल में आर्थिक राहत मिलने के साथ ही स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने ग्राम पंचायत पारीखुंर्द का भ्रमण कर प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत स्थापित किए जा रहे सोलर प्लांट का अवलोकन किया। उन्होंने मौके पर योजना के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। सीईओ दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं निर्धारित कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सोलर प्लांट स्थापना से संबंधित प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सीईओ दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने ग्राम पंचायत भरेगांव स्थित छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक का अवलोकन किया। उन्होंने बैंक में लंबित एक आवेदन सहित अन्य लंबित प्रकरणों के संबंध में जानकारी ली और प्रकरणवार समीक्षा की। सीईओ जिला पंचायत ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने तथा आवश्यक कार्रवाई शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हितग्राहियों से संबंधित प्रकरणों के निराकरण में अनावश्यक विलंब न हो और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर मिलना सुनिश्चित किया जाए।

मोबाईल कैम्पों के माध्यम से श्रमिक पंजीयन के लिए कि जा रहे आवेदन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए एसओपी अंतर्गत जिले के ग्राम पंचायतों में मोबाईल कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। मोबाईल कैम्प के माध्यम से श्रमिकों के कल्याण के लिए चलाए जा रहे शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही है तथा पात्र आवेदक को योजनाओं से लाभान्वित करने आवेदन प्राप्त किए जा रहे है। सहायक श्रमायुक्त ने श्रमिकों से जिले में आयोजित मोबाईल कैम्पों में शामिल होकर नवीन श्रमिक पंजीयन एवं श्रमिक पंजीयन नवीनीकरण कराने के लिए आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की है। मोबाईल कैम्पों में श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

राजनांदगांव शहर के वार्ड क्रमांक 35 लखोली एवं डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम चिदवी में मोबाईल कैम्प का आयोजन किया गया। मोबाईल कैम्पों में कुल 115 श्रमिक शामिल हुए। जिसमें छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मण्डल अंतर्गत 30 श्रमिकों का नवीन श्रमिक पंजीयन के लिए आवेदन किया गया। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल अंतर्गत 3 श्रमिकों का नवीन श्रमिक पंजीयन के लिए आवेदन किया गया। शिविर में 2 श्रमिकों का नवीनीकरण एवं 1 श्रमिक का संशोधन हेतु आवेदन किया गया। ई-श्रम साथी एप के माध्यम से 1 रजिस्ट्रेशन किया गया। शिविर में 20 पंजीकृत श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। इसी प्रकार डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम सालिक झिटिया एवं पेण्ड्री, राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम टेड़ेसरा एवं राजनांदगांव शहर के वार्ड क्रमांक 3 मोतीपुर में मोबाईल कैम्प का आयोजन किया गया। इन शिविरों में कुल 264 श्रमिक शामिल हुए। जिनमें छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मण्डल अंतर्गत 14 श्रमिकों तथा छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल अंतर्गत 24 श्रमिकों का नवीन श्रमिक पंजीयन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया। शिविर में 16 नवीनीकरण आवेदन, 1 संशोधन आवेदन, 6 योजना आवेदन, ई-श्रम साथी एप में 2 रजिस्ट्रेशन, 30 श्रमिकों का ई-केवाईसी, 10 मजदूरों का जॉब मेचिंग किया गया।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बुचाटोला का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने छुरिया विकासखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बुचाटोला का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, ओपीडी व्यवस्था, टीकाकरण एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया तथा आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य केन्द्र परिसर में स्थित वर्षों से बंद पड़े कोविड भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने इस भवन को उपयोगी बनाते हुए मरीजों के परिजनों के लिए प्रतीक्षालय के रूप में उपयोग करने के निर्देश दिए, ताकि उपचार के लिए आने वाले मरीजों के साथ उपस्थित परिजनों को बैठने एवं प्रतीक्षा करने की बेहतर सुविधा मिल सके। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने के लिए एक एमबीबीएस चिकित्सक की पदस्थापना करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान भवन की छत में सीपेज की समस्या पाए जाने पर उन्होंने इसकी शीघ्र मरम्मत कराने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर ने क्षेत्र में नियमित टीकाकरण सुनिश्चित करने तथा समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को प्राथमिक स्तर पर ही आवश्यक स्वास्थ्य जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए। कलेक्टर ने ओपीडी में उपचार कराने आए मरीजों से भी चर्चा की। उन्होंने मरीजों से उनके स्वास्थ्य की स्थिति, मिल रही चिकित्सा सुविधा तथा उपचार के संबंध में जानकारी ली और स्वास्थ्य अमले को मरीजों को समय पर समुचित उपचार एवं आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने आदिवासी बुनकर सहकारी समिति बुचाटोला का किया निरीक्षण

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने छुरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम बुचाटोला के आदिवासी बुनकर सहकारी समिति का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने समिति में कार्यरत बुनकरों से बातचीत कर उनके कार्य, कार्य के घंटे, आमदनी तथा कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान समिति में कार्यरत अनीता ने कलेक्टर को बताया कि कार्यस्थल पर पंखे की आवश्यकता है तथा भवन परिसर में फेंसिंग की भी जरूरत है। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को भवन की तत्काल साफ-सफाई कराने, आवश्यकतानुसार पंखे लगवाने तथा परिसर में फेंसिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने समिति भवन में बुनकरों द्वारा तैयार किए जा रहे कंबल एवं कोट के कपड़े की कारीगरी का अवलोकन किया और उनके कार्य की सराहना की। निरीक्षण के समय समिति में लगभग 40 लोग कार्यरत थे। कलेक्टर ने कहा कि समिति के माध्यम से ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं, जो स्थानीय आजीविका को सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। उन्होंने बुनकरों को उनके कार्य को आगे बढ़ाने तथा आजीविका संवर्धन के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को बुनकरों की आवश्यकताओं एवं समस्याओं के निराकरण के लिए समन्वय के साथ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ग्राम में सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नशामुक्ति शिविर आयोजित करने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण बच्चों के वजन, पोषण आहार व नियमित स्वास्थ्य निगरानी के संबंध में जानकारी प्राप्त की

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आंगनबाड़ी केन्द्र कल्लूबंजारी का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने छुरिया विकासखंड के ग्राम कल्लूबंजारी स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं बच्चों से चर्चा कर केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं तथा संचालित गतिविधियों की जानकारी ली।

कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केन्द्र में बच्चों के पोषण स्तर का जायजा लिया तथा बच्चों के वजन, पोषण आहार एवं नियमित स्वास्थ्य निगरानी के संबंध में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान एक बच्चा मध्यम कुपोषित पाया गया। कलेक्टर ने संबंधित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं विभागीय अमले को बच्चे की नियमित निगरानी, पर्यवेक्षण एवं सतत फॉलोअप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि उसके पोषण स्तर में शीघ्र सुधार लाया जा सके।

कलेक्टर ने वजन त्यौहार के आयोजन तथा इसके अंतर्गत बच्चों के वजन एवं पोषण स्थिति के आकलन की जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र में संचालित अन्य पोषण, स्वास्थ्य एवं बाल विकास संबंधी कार्यक्रमों की प्रगति की भी समीक्षा की। कलेक्टर ने सरपंच एवं उपस्थित ग्रामीणों से गांव में स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं की स्थिति के संबंध में अभिमत लिया। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताया।

प्रधानमंत्री आवास के गृह प्रवेश में हुए शामिल

कलेक्टर जितेन्द्र यादव छुरिया विकासखंड के ग्राम कल्लूबंजारी में प्रधानमंत्री आवास योजना की हितग्राही झुनीबाई साहू के नवनिर्मित आवास के गृह प्रवेश कार्यक्रम में शामिल हुए। कलेक्टर ने साहू एवं उनके परिवार को नए आवास के लिए शुभकामनाएं दी और उनके सुखद एवं समृद्ध जीवन की कामना की।

झुनीबाई साहू ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत उन्हें 1 लाख 20 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि प्राप्त हो चुकी है। इसके साथ ही उन्हें 90 दिवस की मजदूरी का लाभ भी मिला है। उन्होंने आवास निर्माण के लिए शासन से प्राप्त सहायता के संबंध में कलेक्टर को जानकारी दी।

कलेक्टर ने नवनिर्मित आवास का अवलोकन किया तथा घर की सुंदर एवं व्यवस्थित डिजाइन की सराहना की। उन्होंने हितग्राही परिवार से चर्चा कर प्रधानमंत्री आवास योजना से प्राप्त लाभ एवं आवास निर्माण के अनुभव की जानकारी ली। इस अवसर पर कलेक्टर ने झुनीबाई साहू एवं उपस्थित ग्रामीणों को प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने घरों में सौर पैनल लगवाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने योजना के अंतर्गत मिलने वाली सब्सिडी, बिजली बिल में होने वाली बचत एवं अन्य लाभों के संबंध में जानकारी देते हुए अधिक से अधिक ग्रामीणों से योजना का लाभ लेने की अपील की। गृह प्रवेश के अवसर पर झुनीबाई साहू की बेटी द्वारा आकर्षक रंगोली बनाई गई थी। कलेक्टर ने उसकी कलात्मक प्रतिभा की सराहना की तथा उसे प्रोत्साहित करते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

ग्राम केशोटोला में आवास वाटिका के तहत 200 फलदार पौधों का रोपण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले के छुरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम केशोटोला में आवास वाटिका के तहत 200 फलदार पौधों का रोपण किया गया। कलेक्टर जितेन्द्र यादव सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया।

आवास वाटिका में आम, अमरूद, आंवला सहित विभिन्न प्रजातियों के फलदार पौधे लगाए गए। रोपे गए पौधों की सुरक्षा एवं बेहतर विकास के लिए फेंसिंग की व्यवस्था भी की गई है, ताकि पौधों को मवेशियों एवं अन्य नुकसान से सुरक्षित रखा जा सके। कलेक्टर ने उपस्थित ग्रामीणों से अपने घर, खेत एवं आसपास उपलब्ध स्थानों पर अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि केवल पौधरोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि रोपे गए पौधों का नियमित देखभाल एवं संरक्षण करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने सभी से पौधों की सुरक्षा, सिंचाई एवं देखरेख की जिम्मेदारी लेने का आग्रह किया, ताकि पौधे विकसित होकर भविष्य में फल एवं हरियाली दोनों प्रदान कर सकें। पौधरोपण कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव एवं पद्मश्री फूलबासन यादव भी उपस्थित थी। उन्होंने भी पौधरोपण कर ग्रामीणों को अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण में सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया।

जिनकी बेटी न हो वह जरूरतमंद कन्या की शिक्षा करवा दे तो मिल जाएगा कन्यादान का फल

अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने पांचवें दिन की शिवमहापुराण कथा में कही बात

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जयंती स्टेडियम में चल रही श्री शिवमहापुराण कथा के पांचवें दिन अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि कन्यादान सबसे बड़ा दान है। जिसके घर बेटी न हो, वे अपने परिवार, मोहल्ले या क्षेत्र की किसी जरूरतमंद कन्या की शिक्षा करवा दें तो उन्हें कन्यादान के समान फल की प्राप्ति होगी। व्यासपीठ से अपील करते हुए पंडित मिश्रा ने कहा कि बेटा-बेटी को खूब पढ़ाओ, उतना ही बहू को भी पढ़ाओ। बहू तुम्हारे घर का इतिहास गढ़ेगी। जो बच्चे पढ़ना चाहते हैं और गरीब हैं, वे संपर्क करें। सिहोर वाला बाबा उनकी शिक्षा आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि कुबेरेश्वर धाम में जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में आयोजक दया सिंह का बड़ा योगदान है।

पंडित मिश्रा ने उदाहरण देते हुए कहा कि मां जानकी के विवाह से पहले उनके पिता जनक ने सभी संतों को बुलाकर उन्हें शिक्षा दिलवाई थी। इसी तरह माता पार्वती के विवाह से पहले हिमालय राज ने पत्नी मैना को शिक्षित किया और वही शिक्षा मैना ने पार्वती को दी।

शिवभक्त धनीराम कुम्हार का नियम पूरे गांव को तार गया

कथा में पंडित मिश्रा ने नारायणपुर के शिवभक्त धनीराम कुम्हार की कथा सुनाई। धनीराम प्रतिदिन मिट्टी के बर्तन बनाकर बेचता और 24 घंटे में एक बार शिवालय जाकर दिए जलाता था। अकाल के कारण गांव खाली हो गया, पत्नी-बच्चे भी चले गए, लेकिन उसने नियम नहीं तोड़ा। शिवजी वृद्ध रूप में आए और पूछा तो उसने कहा "मेरा दीपक जलाने का नियम न टूटे"। इसके बाद हुई जलवृष्टि से गांव हरा-भरा हो गया। पंडित मिश्रा ने कहा कि धनीराम की प्रबल भक्ति से पूरा गांव तर गया।

परिवार में रहकर ही निभाएं धर्म

पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि शिव परिवार में रहते हैं, वैसे ही हमें भी रहना चाहिए। शिवमहापुराण कहती है कि घर-परिवार छोड़कर साधु-संत बनने की जरूरत नहीं। भगवान शिव सुख-दुख में पत्नी, बच्चों और परिवार को नहीं छोड़ते। ब्रह्मा जी ने ब्रह्माणी को, विष्णु जी ने लक्ष्मी को अपने बगल में बिठाया। 33 करोड़ देवी-देवताओं में महादेव ही ऐसे हैं जिन्होंने धर्मपत्नी पार्वती को अपने से ऊंचे स्थान पर बिठाया। इसलिए हमें भी पत्नी का आदर-सम्मान करना चाहिए।

डॉ. रमन सिंह और कौशिल्या साय ने लिया आशीर्वाद

कथा सुनने विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी कौशिल्या साय पहुंचीं। दोनों ने प्रदेशवासियों की ओर से पंडित प्रदीप मिश्रा का आभार जताया और छत्तीसगढ़वासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। डॉ. रमन सिंह ने कहा कि सावन में यह अद्भुत संयोग है कि देशभर में कांवड़ यात्रा चल रही है और भिलाई में लाखों भक्त शिवमहापुराण सुन रहे हैं। आयोजक दया सिंह ने लगातार तीसरे साल कथा कराकर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में कीर्तिमान स्थापित किया है। इसके लिए उन्हें और लाखों श्रद्धालुओं को बधाई।

बोलचाल बंद हो तो भी राखी में ननद को बुलाएं

उन्होंने कहा कि गाय और बेटी दोनों घर के दुख हर लेती हैं। राखी पर्व आ रहा है। बोलचाल बंद भी हो तो ननद को फोन कर राखी में बुला लें, भले वह कुछ न दे।

इस अवसर पर सांसद विजय बघेल, राज्य केशकल्प बोर्ड अध्यक्ष मोना सेन, पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, समाजसेवी इंद्रजीत सिंह छोटू, मोटिवेटर डॉ. उज्जवल पाटनी, कलेक्टर अभिजीत सिंह, एसपी विजय अग्रवाल, उच्च न्यायालय न्यायाधीश दीपक कुमार तिवारी, रामप्रताप सिंह, पूर्व मंत्री रमशीला साहू सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे। बोलबम सेवा व कल्याण समिति के अध्यक्ष दया सिंह ने सभी अतिथियों का महाकाल गमछे से सम्मान किया।

रातभर बारिश के बाद भी पंडाल पैक

पांचवें दिन रातभर और सुबह झमाझम बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं की भीड़ कम नहीं हुई। पांचों पंडाल कथा से दो घंटे पहले ही भर गए। भक्त छाता लेकर और गीली जमीन पर बैठकर कथा सुन रहे हैं। भक्तों की भक्ति देखकर पंडित मिश्रा ने कहा कि जिसे निमंत्रण मिलता है वह मुश्किल से आता है, लेकिन जो बिना निमंत्रण के आते हैं उन्हें महाकाल बुलाता है।

23 साल की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए युवराज, सहकर्मियों ने दी भावभीनी विदाई

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

ग्राम भोथीपार खुर्द नया पारा स्थित राजा राम मेज प्रोडक्ट कंपनी में 23 वर्षों तक सेवा देने के बाद युवराज पटेल शनिवार को सेवानिवृत्त हो गए। कंपनी परिसर में आयोजित विदाई समारोह में सहकर्मियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी।

युवराज पटेल सन् 2001 से 2026 तक ग्लूकोज माल्टो डेक्सट्रीन विभाग में कार्यरत रहे। अपनी मेहनत, ईमानदारी और मिलनसार व्यवहार के कारण वे सभी कर्मचारियों में लोकप्रिय थे। 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर उन्हें सेवानिवृत्त किया गया। सेवानिवृत्ति के अवसर पर सहकर्मियों ने उन्हें श्रीफल, शाल और प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा उज्ज्वल भविष्य और दीर्घायु होने की कामना की।

विदाई समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय ग्लूकोज स्टार्च केमिकल मजदूर संघ के अध्यक्ष योगेन्द्र दास वैष्णव ने कहा कि युवराज पटेल ने लगभग 23 वर्षों तक निष्ठा और मेहनत से कार्य किया। उनका व्यवहार सभी के साथ मधुर रहा और वे हमेशा सहयोग के लिए तैयार रहते थे। इस अवसर पर इंचार्ज योगेश साहू, पीलू साहू, फीटर पालक यादव, भागवत वर्मा, लीला राम पटेल, पुरन लहरें, हुकुम, तुलसी साहू, गैंदालाल साहू, शंकर यादव, टेकराम साहू, बिसाबंर साहू, धनंजय वैष्णव, रवि साहू, रमेश पटेल, कुमन निषाद, लोरी यादव सहित बड़ी संख्या में सहकर्मी उपस्थित रहे।

हाउसिंग बोर्ड औद्योगिक क्षेत्र निवासी जैनब नाज का इंतकाल

भिलाई। हाउसिंग बोर्ड औद्योगिक क्षेत्र निवासी जैनब नाज का शुक्रवार को निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार उनकी अंतिम यात्रा शनिवार 22 अगस्त को शाम को उनके निवास ईडब्ल्यूएस-1927, मुराद मंजिल, हाउसिंग बोर्ड औद्योगिक क्षेत्र से निकलेगी। नमाजे मगरिब के बाद 7 बजे कब्रिस्तान हैदरगंज कैम्प-1 में नमाजे जनाजा के बाद सुपुर्दे खाक किया जाएगा। वे प्रख्यात शिल्पकार हाजी एमएच सिद्दीकी की पत्नी तथा आफताब हुसैन सिद्दीकी और मोहम्मद शोएब की माता थीं। उनके निधन पर वरिष्ठ भाजपा नेता मुरलीधर अग्रवाल, पार्षद पीयूष मिश्रा, आलोक तिवारी, निखिलेश शुक्ला, सुनील सोनी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दुआ की है।

रायपुर साहित्य सृजन संस्थान के कवि सम्मेलन में सम्मानित होंगे वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्मीनारायण लहरे

नई दृष्टिबिंदु / सारंगढ़

रायपुर साहित्य सृजन संस्थान अपने पांचवें स्थापना दिवस पर 23 अगस्त को रायपुर के वृंदावन हॉल में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। इस अवसर पर समाज में सजग प्रहरी की भूमिका निभाने वाले साहित्यकारों, समाजसेवियों और पत्रकारों को सम्मानित किया जाएगा।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार लक्ष्मीनारायण लहरे को इस कवि सम्मेलन में "श्रेष्ठ पत्रकार सम्मान 2026" से सम्मानित किया जाएगा। संस्थान के अध्यक्ष वीर अजीत शर्मा ने उन्हें कार्यक्रम में आमंत्रित किया है। पत्रकार लक्ष्मीनारायण लहरे पिछले 26-27 वर्षों से साहित्य सृजन और पत्रकारिता में सक्रिय हैं। वे "साहिल" के नाम से काव्य रचना भी करते हैं। हिंदी साहित्य सृजन के लिए उन्हें छत्तीसगढ़ काव्य रत्न, काव्य श्री, काव्य गौरव, साहित्य कला रत्न और हिंदी सेवा के लिए दबंग हिंदी सेवा सम्मान सहित कई संस्थाओं से सम्मान मिल चुका है।

सम्मान की सूचना पर श्री लहरे ने कहा कि यह सम्मान मेरे अग्रज संपादकों और पत्रकार साथियों का सम्मान है। सारंगढ़, रायगढ़, रायपुर, बिलासपुर सहित अन्य जिलों के वरिष्ठ संपादकों और पत्रकारों का सम्मान है, जो मेरे संवाद को पाठकों तक पहुंचाते हैं। यह सम्मान मुझे आगे भी सक्रियता से काम करने की प्रेरणा देता है। कवि सम्मेलन में राष्ट्रीय स्तर के साहित्यकार अपनी काव्य पाठ प्रस्तुत करेंगे।

रतनपुर में पुल के नीचे मिला नवजात, सिम्स किया रेफर

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

रतनपुर थाना क्षेत्र के सिल्ली मोड़ के पास पुल के नीचे लावारिस हालत में एक नवजात मिलने से सनसनी फैल गई। राहगीरों ने जब पुल के नीचे नवजात को देखा तो तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही रतनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और नवजात को अपने कब्जे में लेकर रतनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई।

स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक जांच के बाद नवजात को बेहतर उपचार के लिए सिम्स बिलासपुर रेफर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि नवजात की हालत स्थिर है और डॉक्टरों की निगरानी में है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नवजात को लावारिस छोड़ने वालों की तलाश की जा रही है। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100